राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण मंगलवार, 07 जुन 2022 वर्ष–5,अंक–132 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वलीउल्लाह को फांसी

वाराणसी सीरियल ब्लास्ट में सजा का एलान

गाजियाबाद। वाराणसी सीरियल ब्लास्ट मामले में अदालत ने फैसला सुना दिया है। गाजियाबाद की अदालत ने बमकांड के दोषी वलीउल्लाह को फांसी की सजा सुनाई है। सात मार्च 2006 को वाराणसी में सिलसिलेवार बम धमाके हुए थे। कोर्ट ने संकटमोचन मंदिर में विस्फोट व दशाश्वमेध मार्ग पर बम बरामद होने के मामले में वलीउल्लाह को दोषी माना। वाराणसी बम कांड में दोषी वली उल्लाह को न्यायाधीश जितेंद्र सिन्हा ने हत्या, आतंक फैलाना, विस्फोटक सामग्री का प्रयोग करना और हत्या के प्रयास के मामले में सजा-ए-मौत सुनाई है। उसने सजा के प्रश्न पर सुनवाई के दौरान अदालत से कहा कि घर मे 80 वर्ष की बूढ़ी मां, पत्नी, बेटा और बेटी की आर्थिक हालत खराब है। घर मे कोई कमाने वाला नहीं है। मदरसे में बच्चों को तालीम देकर गुजर-बसर करता था। जेल में उसका आचरण सही था, इसलिए उसे कम से कम सजा दी जाए। अदालत ने कैंट रेलवे स्टेशन पर हुए बम विस्फोट मामले में साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया था। सात मार्च 2006 की वह भयावह शाम में जगह-जगह पड़े मांस के लोथड़ों के बीच शुरू हुई पड़ताल में दहशतगर्दों तक पहुंचने के लिए पुलिस के पास कोई सुराग तक नहीं था। मगर, पुलिस ने एसटीएफ और एटीएस के साथ मिलकर जांच शुरू की तो कॉल डिटेल खंगालने में ही बनारस ब्लास्ट को अंजाम देने वालों की शिनाख्त शुरू हो गई। तत्कालीन उपाधीक्षक भेलूपुर त्रिभुवन नाथ

त्रिपाठी ने विवेचना शुरू की तो कल डिटेल में बनारस ब्लास्ट का दोषी करार दिया जा चुका वलीउल्लाह सहित कई लोगों के मोबाइल नंबर पुलिस के हत्थे चढ़े। इसमें वलीउल्लाह की पड़ताल किए जाने पर पुलिस ने पाया कि यह इस हादसे से पहले वह कभी बनारस नहीं आया था। अचानक उसकी शहर में आमद को लेकर पुलिस ने कड़ी मिलानी शुरू की तो सारे तार जुड़े गए। लंबी जांच व पड़ताल के बाद पुलिस ने वलीउल्लाह को लखनऊ के पास से गिरफ्तार किया था। पुलिस गिरफ्त में आने के बाद जब उससे पूछताछ शुरू हुई तो उसने अपने जेहादी इरादे भी जाहिर किए थे। बनारस ब्लास्ट में आईएसआई के पुराने मॉड्यूल से जुड़े आतंकियों के तार जुड़े होने की पुष्टि हुई थी। हालांकि इस पूरी मशक्कत के बाद वारदात में शामिल हूजी कमांडर शमीम सहित तीन आरोपी अब भी पुलिस की पकड़ से बाहर हैं। कैंट रेलवे स्टेशन और संकट मोचन मंदिर पर हुए ब्लास्ट में दर्ज मुकदमे के विवेचक त्रिभुवन नाथ त्रिपाठी ने बताया कि पहले हुई आतंकी घटनाओं में शामिल दशगतगर्दों के बारे में जांच शुरू की और काल डिटेल खंगालनी शुरू की।

नूपुर शर्मा की मुश्किलें बढ़ीं

नई दिल्ली। पैगंबर मोहम्मद पर टीवी डिबेट के दौरान टिप्पणी कर घिरीं नूपुर शर्मा की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। उनके खिलाफ इस बयान के मामले में पुलिस में केस दर्ज कराया गया था। अब मुंबई पुलिस जल्दी ही उन्हें समन जारी कर पूछताछ के लिए बुलाएगी। मुंबई पुलिस के कमिश्नर संजय पांडे ने यह बात कही है। पांडे ने कहा कि ज्ञानवापी मसले पर टीवी डिबेट के दौरान टिप्पणी को लेकर मुंबई पुलिस जल्दी ही निलंबित की गई भाजपा प्रवक्ता नूपुर शर्मा को समन जारी करेगी और उनका बयान दर्ज करेगी। उन्होंने कहा कि इस संबंध में जो भी जरूरी कार्रवाई होगी वह की जाएगी। संजय पांडे ने कहा कि इस मामले में भी प्रक्रिया का पालन किया जा रहा है। एफआईआर दर्ज करने के बाद की जो भी प्रक्रिया होती है, उसका पालन किया जाएगा।

आजमगढ़ से धर्मेन्द्र यादव ने भरा पर्चा, कहा-यहां न मुकाबला था न रहेगा

आजमगढ़। उपचुनाव के उम्मीदवार को लेकर समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने नामांकन के आखिरी दिन सस्पेंस खत्म किया। पार्टी ने पूर्व सांसद धर्मेन्द्र यादव को यहां से अपना उम्मीदवार बनाया है। टिकट मिलते ही धर्मेन्द्र यादव ने आजमगढ़ आकर पार्टी की ओर से अपना पर्चा भरा। इस मौके पर धर्मेन्द्र यादव ने कहा कि आजमगढ़ में समाजवादी पार्टी के लिए न कभी मुकाबला था, न है न रहेगा। उन्होंने कहा कि इस बार के उपचुनाव के नतीजे 2024 के लिए नई दिशा देंगे। बताया जा रहा है कि आजमगढ़ की सभी दस विधानसभा सीटों से जीते समाजवादी पार्टी के विधायक धर्मेन्द्र का पर्चा दाखिल कराने पहंचे थे। पर्चा दाखिल करने के बाद धर्मेन्द्र यादव ने बीजेपी पर जमकर हमला बोला। एएनआई से बातचीत में धर्मेन्द्र यादव ने कहा कि चुनाव आता है तो महंगाई घटती है और चुनाव के बाद महंगाई बढ़ जाती है। तो हमारी लड़ाई ऐसे लोगों से है। मेरी ये खुशनसीबी है कि आजमगढ़ के लोगों ने ऐसी ताकतों को कभी पनपने नहीं दिया, ये अब तक का इतिहास है और हमारा ये इतिहास लगातार बरकरार रहेगा। धर्मेन्द्र यादव ने कहा, 'मुझे पूरा यकीन है कि इस उपचुनाव में भी ऐतिहासिक तौर पर समाजवादी पार्टी को लोग ताकत देंगे... समाजवादी पार्टी से मुकाबला इस ज़िले में ना किसी का था, ना है और ना किसी का रहेगा।' आजमगढ़ सीट पर उपचुनाव में बीजेपी ने दिनेश लाल निरहुआ को दोबारा उम्मीदवार बनाया है। 2019 का चुनाव वह अखिलेश यादव से हार गए थे। निरहुआ ने भी आज ही अपना पर्चा दाखिल किया।

हिंसा में शामिल 40 संदिग्धों का पोस्टर जारी

पुलिस ने पहचान के लिए लोगों से मांगी मदद

कानपुर। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर 3 जून को हुए बवाल और हिंसा में शामिल 40 संदिग्धों का पोस्टर जारी किया है। साथ ही लोगों से संदिग्धों की तलाश में मदद करने की अपील की। पोस्टर में फोन नं. 9454403715 अंकित किया गया है। साथ ही लिखा है कि संदिग्धों के बारे में सूचना देने वाले की पहचान गुप्त रखी जाएगी। मामले में कानपुर पुलिस ने ट्विटर और फेसबुक पोस्ट से सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ने के आरोप में 15 हैंडल्स के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। बवाल और हिंसा में आईएस-273 गैंग समेत शहर के कई बड़े अपराधी शामिल थे। पुलिस ने गैंग के सक्रिय बदमाश अफजाल समेत करीब एक दर्जन

को आरोपी बनाया है। इन सभी की धरपकड़ शुरू हो गई है। एक-दो को पुलिस ने हिरासत में भी ले लिया है। ये लोग बड़े पैमाने पर हिंसा फैलाने वाले थे। गनीमत रही कि पुलिस बल ने समय रहते बवाल पर काबू पा लिया। पुलिस की अब तक की जांच में हयात जफर हाशमी के संगठन के अलावा पीएफआई का नाम सामने आया है। साक्ष्य भी पुलिस ने जुटाए हैं। इस बीच पुलिस की तफ्तीश में खुलासा हुआ कि आईएस-273 गैंग के अफजाल की बड़ी भूमिका रही है। इसके अलावा सबलू, बाबर, इजरायल आटा, फरहान कालिया, फैज, सुफिया कनखड़ा, जैन, मासूम, नसीम उर्फ बंटी, गुड्डू रियासत, दिलशाद, गलरेज, तल्हा अंसारी जैसे अपराधियों के नाम सामने आए हैं। आईस-273 वही गैंग है जो पहले डी-टू गैंग था। 2010 में डी-टू गैंग खत्म कर नया गैंग बनाया था। हिंसा के दिन ही 18 उपद्रवियों को दबोच लिया गया था। शनिवार को ये सभी जेल भेजे गए थे। वहीं शनिवार सुबह पुलिस ने लखनऊ से हिंसा के मास्टर माइंड हयात जफर हाशमी व उसके साथी जावेद खान, मोहम्मद राहिल व सूफियान को गिरफ्तार किया था। इन चारों आरोपियों से रातभर पूछताछ की गई। इसके बाद रविवार दोपहर करीब तीन बजे इन्हें कोर्ट में पेश किया गया। यहां से जेल भेजे गए।

पीएम मोदी ने जारी की नये सिक्कों की सीरीज, दृष्टिहीन भी आसानी से पहचान सकेंगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को सिक्कों की एक नई सीरीज जारी की, जो दृष्टिहीनों के लिहाज से भी बनाई गई हैं। ये सिक्के 1 रुपये, 2 रुपये, 5 रुपये, 10 रुपये और 20 रुपये मूल्यवर्ग के हैं और इस पर आजादी के अमृत महोत्सव (एकेएएम) का डिजाइन बना है। ये विशेष रूप से जारी किए सिक्के नहीं है, बल्कि आम चलन में बने रहेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा, दुनिया के एक बड़े हिस्से को भारत से समस्याओं के समाधान की अपेक्षा है। ये इसलिए संभव हो रहा है क्योंकि बीते 8 सालों में हमने हर भारतीय के विवेक पर भरोसा किया। हमने जनता को ग्रोथ में इंटेलिजेंट के रूप में प्रोत्साहित किया। हमें देश की जनता पर पूरा विश्वास है। इस मौके पर मोदी ने 'जन समर्थ पोर्टल' की शुरूआत भी की, जो 12 सरकारी योजनाओं का क्रेडिट-लिंक्ड पोर्टल है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि इनमें से प्रत्येक योजना को पोर्टल पर प्रदर्शित किया जाएगा। उन्होंने कहा, इस पोर्टल से सहूलियत बढ़ेगी और नागरिकों को सरकारी कार्यक्रम का लाभ उठाने के लिए हर बार एक ही सवाल पूछना नहीं पड़ेगा।

भारत में कब से शुरू होगी बुलेट ट्रेन सेवा

रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने किया खुलासा

सूरत। गुजरात की राजधानी अहमदाबाद और महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई के बीच बुलेट ट्रेन चलाने के प्रोजेक्ट पर मोदी सरकार खासा ध्यान दे रही है। यही कारण है कि सोमवार को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और रेल राज्य मंत्री दर्शना जरदोश प्रोजेक्ट से जुड़े अधिकारियों की टीम के साथ सूरत से लेकर नवसारी तक बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट की लाइन का जायजा लेने पहुंचे। इस मौके पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि वे 2026 में गुजरात के सूरत और बिलिमोरा के बीच देश की पहली बुलेट ट्रेन चलाने के लक्ष्य को हासिल करने के प्रति आश्वस्त हैं। उन्होंने कहा कि इस दिशा में काफी अच्छी तरह से काम हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि अहमदाबाद और मुंबई के बीच बुलेट ट्रेन के लिए बुनियादी ढांचे के निर्माण में अच्छी प्रगति हुई है और काम तेज गति से किया जा रहा है। रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को सूरत के चोयार्सी तालुका में वकटाना गांव के पास मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के एक खंडीय कास्टिंग यार्ड के संचालन का निरीक्षण किया। इसके अलावा परियोजना के तहत निमार्णाधीन अंतोली रेलवे

स्टेशन का भी दौरा किया। इसके बाद वे रेल राज्य मंत्री दर्शन जरदोश के साथ नवसारी के नसीलपुर भी गए जहां उन्होंने परियोजना स्थल का भी दौरा किया। निरीक्षण के बाद रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए 61 किलोमीटर मार्ग पर खंभे लगाए गए हैं और लगभग 150 किलोमीटर के मार्ग पर काम चल रहा है। उन्होंने आगे कहा कि 508 किलोमीटर लंबे इस प्रोजेक्ट का 91 फीसदी हिस्सा एलिवेटेड है सिर्फ चार किलोमीटर लंबी लाइन जमीन पर है। उन्होंने बताया कि सात किलोमीटर हिस्सा महाराष्ट्र में समुद्र के अंदर से होकर गुजरेगा। उन्होंने बताया कि इस लाइन पर कुल 12 रेलवे स्टेशन बनाए जाएंगे। इसमें से आठ गुजरात और चार महाराष्ट्र में होंगे। रेलमंत्री ने कहा कि रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास, नई वंदे भारत ट्रेनों, स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली, बुलेट ट्रेनों जैसी अति आधुनिक और सर्वोत्तम सेवाएं प्रदान करना प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि हम 130 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए काम कर रहे हैं। महाराष्ट्र में बुलेट ट्रेन परियोजना को लेकर हो रहे काम के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा कि वहां भूमि अधिग्रहण में समस्याओं के कारण काम धीमा हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि महाराष्ट्र को परियोजना पर सहयोग और सहयोग की भावना से काम करना चाहिए। उन्होंने महाराष्ट्र सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि यह एक राष्ट्रीय परियोजना है और इस पर कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए।

मोर्चरी में रखी कैदी की लाश की आंखें हो गईं गायब

बदायूं। यूपी की बदायूं जेल में कल खुद को फांसी लगाकर जान दे देने वाले कैदी की लाश की आंखें गायब मिली हैं। उसकी लाश को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखा गया था। जिला जेल में खुदकुशी के बाद जिला अस्पताल लाए गए शव की आंखें सही सलामत थीं। ऐसे में उसकी आंखें गायब हो जाने को लेकर तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। मिली जानकारी के अनुसार भोलू शर्मा (उम्र 27 वर्ष) ने कल जेल के शौचालय में आत्महत्या कर ली थी। जेल प्रशासन के मुताबिक भोलू अलीगढ़ जिले के अतरौली थाना क्षेत्र के नाहल गांव का रहने वाला था। आठ सितम्बर 2020 को उसे गैंगेस्टर के मामले में बदायूं जेल भेजा गया था। अदालत ने उसे चार साल की सजा सुनाई थी। लम्बे समय से जेल में भोलू से मिलने कोई नहीं आया। इसे लेकर वह अवसाद में था। जेल प्रशासन के मुताबिक रविवार की दोपहर उसने जेल के शौचालय में हैंडल से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। काफी देर तक जब वह बाहर नहीं निकला और अंदर से दरवाजा बंद रहा तो जेल के कर्मचारियों ने झांककर देखा। कर्मचारियों ने देखा कि भोलू फंदे से लटक रहा है।

हापुड़ फैक्ट्री ब्लास्टः भंडेरी गांव एक साथ उठी आठ अर्थियां, मचा कोहराम

हापुड़। फैक्ट्री में विस्फोट में मरे शाहजहांपुर के कांट ब्लाक के भंडेरी गांव के दस लोगों शव उनके परिजनों को सौंप दिए गए। इसके बाद आठ लोगों के शव रविवार रात करीब तीन बजे तीन एंबुलेंस से भंडेरी लाए गए। यहां शव देख कर परिजनों में कोहराम मच गया। सुबह होने पर उनके अंतिम संस्कार की तैयारी गई। सभी का अंतिम संस्कार जलालाबाद के कोलाघाट पर किया गया। अविवाहित दो लोगों को दफनाया गया, शेष छह शव का दाह संस्कार किया गया। दो लोगों के शव हापुड़ और गाजियाबाद में ही दफन कर दिए गए। इस दौरान

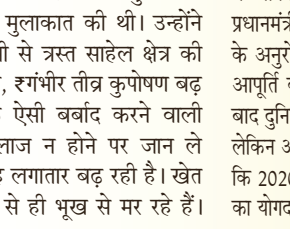

गांव में प्रशासनिक अफसर और विधायक मौजूद रहे। भंडेरी गांव की सोमवार भोर कभी किसी को देखने को न मिले। यहां मौतों के बाद मातम का जो मंजर था। हापुड़ हादसे में मरे भंडेरी गांव के दस लोगों की मौत हुई थी। पोस्टमार्टम के बाद दो लोगों के शव तो वहीं दफना दिए गए, बाकी आठ लोगों के शव रविवार रात तीन एंबुलेंस से भंडेरी गांव लाए गए। पूरा गांव जाग रहा था। लाशों का इंतजार कर रहा था। रविवार रात जैसे ही एंबुलेंस गांव में आकर रुकीं तो मृतकों के परिजन एंबुलेंस से चिपक गए। गेट खोलने की नौबत नहीं आ पा रही थी। तब ग्रामीणों ने परिजनों को हटाया। इसके बाद छह लोगों के शव प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के पास एक सार्वजनिक स्थान पर रखे गए। दो लोगों के शव उनके घर ले जाए गए। पूरी रात परिजन रोते रहे। भोर हुई तो गांव का मातमी मंजर देखना मुश्किल था। कानों में चारों ओर से बस रोने की ही आवाजें आ रही थीं। कभी यह आवाजें तेज हो जाती थीं, कभी मध्यम पड़ जाती थीं।

संयुक्त राष्ट्र ने दी भयावह भूख की चेतावनी, जी-7 बनाम पुतिन के बीच भारत पर टिकीं दुनिया की निगाहें

नई दिल्ली। अफ्रीकी संघ के अध्यक्ष और सेनेगल के राष्ट्रपति मैकी सैल ने पिछले सप्ताह रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से व्यक्तिगत रूप से मिलने के लिए एक तत्काल यात्रा की थी, ताकि मालवाहक जहाजों द्वारा यूक्रेन से लगभग 20 मिलियन टन गेहूं प्राप्त किया जा सके। लेकिन भूख को कम करने के लिए उन्हें बिना किसी ठोस कार्रवाई के वापस आना पड़ा। दुनिया के सबसे बड़े गेहूं निर्यातक रूस ने पश्चिम से यूक्रेन में इसकी सैन्य कार्रवाई के जवाब में लगाए गए प्रतिबंधों को हटाने का आग्रह किया है ताकि अनाज वैश्विक बाजारों में निर्बाध रूप से पहुंच सके। वहीं अमेरिका पुतिन पर यूक्रेन का गेहूं चुराने और सूखे से त्रस्त अफ्रीकी देशों को सस्ते में बेचने के लिए कठोर वित्तीय प्रतिबंधों का उल्लंघन करने का आरोप लगा रहा है। पुतिन दूसरी तरफ तैयार खरीदार ढूंढ रहे हैं क्योंकि इस साल गेहूं की कीमतों में 60 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है और पीड़ित देश रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते गेहूं की डिलीवरी ले नहीं सकते हैं क्योंकि रास्ते ब्लॉक हैं। रूस-यूक्रेन मिलकर आम तौर पर वैश्विक गेहूं निर्यात का लगभग एक तिहाई प्रदान करते हैं। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार, अफ्रीकी देशों ने 2018 और 2020 के बीच रूस और यूक्रेन से अपने गेहूं का 44 प्रतिशत आयात किया। अफ्रीकी विकास बैंक के अनुसार, आपूर्ति में व्यवधान के परिणामस्वरूप गेहूं की कीमतें लगभग 45

प्रतिशत बढ़ गई हैं। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंटोनियो गुटेरेस ने अप्रैल में पुतिन से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की थी। उन्होंने अफ्रीका के गरीबी से त्रस्त साहेल क्षेत्र की यात्रा के बाद कहा, ₹गंभीर तीव्र कुपोषण बढ़ रहा है। यह एक ऐसी बर्बाद करने वाली बीमारी है जो इलाज न होने पर जान ले सकती है और यह लगातार बढ़ रही है। खेत के जानवर पहले से ही भूख से मर रहे हैं। उन्होंने कहा, नेताओं ने मुझे बताया कि यूक्रेन में युद्ध के कारण, अन्य संकटों के अलावा, उन्हें डर है कि यह खतरनाक स्थिति तबाही का कारण बन सकती है। पिछले महीने बैठकों में दुनिया के सात सबसे अमीर देशों (जी 7) की प्रतिक्रिया ज्यादातर निराशाजनक थी क्योंकि उनका ध्यान पुतिन को दोष देने पर था, वो भी तब जब अफ्रीका में व्यापक रूप से भुखमरी से मौतें हो रही हैं। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भूखमरी से लड़ रहे देशों के अनुरोध पर गेहूं के आपातकालीन शिपमेंट की आपूर्ति करने का वादा किया है। भारत चीन के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा गेहूं उत्पादक है, लेकिन अमेरिकी कृषि विभाग (यूएसडीए) ने बताया कि 2020-21 में कुल वैश्विक गेहूं निर्यात में भारत का योगदान केवल 4.1 प्रतिशत था।

सुविचार

प्रत्येक व्यक्ति की अच्छाई ही प्रजातंत्रीय शासन की सफलता का मूल सिद्धांत है। - राजगोपालाचारी

संपादकीय

कश्मीर में कहर

कश्मीर घाटी में लक्षित हत्याओं का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। कुलगाम में एक सरकारी स्कूल की शिक्षिका की हत्या से उपजा आक्रोश अभी थमा भी नहीं था कि वीरवार को एक ग्रामीण बैंक के मैनेजर विजय कुमार की हत्या कर दी गई। हालात की गंभीरता को देखते हुए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने गुरुवार को केंद्रीय राज्यमंत्री जितेंद्र सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल समेत सुरक्षा व खुफिया एजेंसियों के अधिकारियों से आंतरिक सुरक्षा पर बातचीत की। निस्संदेह, इन हमलों से घाटी में कश्मीरी पंडितों के पुनर्वास कार्यक्रम को धक्का लगा है। आतंकी नेटवर्क भी यही खेल खेलना चाह रहे हैं, जो उनकी कुंठा का ही परिचायक है। पिछले साल भी घाटी में 35 नागरिक मारे गये थे। लेकिन सुरक्षा बलों ने लक्षित हमलों में शामिल आतंकवादियों को मार गिराने और उनके समर्थन ढांचे को नष्ट करने का दावा किया था। निस्संदेह, यह आतंकवादियों की हताशा ही है कि वे निहत्थे पुलिसकर्मियों, अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों तथा यहां तक कि टीवी कार्यक्रमों से जुड़े लोगों की हत्याएं कर रहे हैं। यद्यपि सुरक्षा बलों ने निर्मम हत्याओं के दोषियों को निशाने पर लेने में तेजी व दृढ़ता दिखायी है लेकिन सुरक्षित व शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व का माहौल बनाये बिना समस्या का अंतिम समाधान संभव नहीं है। शिक्षिका रजनी बाला की हत्या के बाद जिस तरह की प्रतिक्रिया सामने आई है उससे लगता है कि लोग आतंकवाद से तंग आ चुके हैं। देश के विभिन्न भागों से पीड़ितों के प्रति सहानुभूति दर्शाती है कि पूरा देश आतंक के खिलाफ खड़ा है। निस्संदेह, हमले में जाने वाली हर जान राष्ट्रीय क्षति है। ऐसे समय जब अमरनाथ यात्रा नजदीक है, सुरक्षा के उपायों को चाक-चौबंद करने की जरूरत है। साथ ही घाटी में काम कर रहे अल्पसंख्यकों की कार्यस्थलियों को सुरक्षित बनाने की जरूरत है। निश्चित रूप से एक बार फिर कश्मीरी पंडितों की सुरक्षा का प्रश्न जटिल हो गया है। वैसे पहले ही इस बात की आशंका जतायी जा रही थी कि हताश आतंकवादी आसान शिकार के तौर पर 'टारगेट किलिंग' का सहारा ले सकते हैं जिन्हें सुनियोजित तरीके से अंजाम दिया जा रहा है। पृथकतावादियों की कोशिश रही है कि गैर कश्मीरियों को घाटी में बसने व नौकरी न करने दी जाये। हाल की घटनाओं ने कश्मीरी पंडितों समेत अन्य अल्पसंख्यकों में असुरक्षाबोध भर दिया है। कुछ लोगों ने डर से घाटी छोड़नी भी शुरू कर दी है। विडंबना यह है कि यही आतंकवादी चाहते भी हैं। निश्चय ही असुरक्षा की भावना को दूर करने के लिये तत्काल कदम उठाये जायें। जाहिर है राह जटिल है मगर असंभव भी नहीं है। विश्वास किया जाना चाहिए कि देर-सवेर घाटी में शांति की स्थापना के लक्ष्य पूरे हो सकेंगे। पुलिस-सुरक्षाबलों की मुस्तैदी व शासन-प्रशासन की सक्रियता यह उम्मीद जगाती है। साथ ही आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति से कोई समझौता नहीं किया जाना चाहिए और हालिया हमलों में शामिल आतंकवादियों की पहचान करके उन्हें नेस्तनाबूद किया जाना चाहिए। साथ ही घाटी में सद्भावना का माहौल भी बनाया जाना जरूरी है। उम्मीद की जानी चाहिये कि घाटी में परिसीमन के बाद जब लोकतांत्रिक प्रक्रिया की शुरुआत होगी तो स्थिति सामान्य बनाने में मदद मिल सकेगी। साथ ही आतंकवादियों के मंसूबों पर पानी फेरने की हर संभव कोशिश वक्त की जरूरत है। यह भी जरूरी है कि कश्मीर घाटी में प्रधानमंत्री विशेष पुनर्वास पैकेज के तहत नियुक्त कश्मीरी पंडितों व अनुसूचित जाति के कोटे के तहत नियुक्त लोगों को अतिरिक्त सुरक्षा मुहैया करायी जाये।

बाजारी मुनाफे के खेल में कसमसाती कृषि

देविंदर शर्मा

ऐसे समय में जब दुनियाभर में किसानों को अपनी लागत तक निकालने के लिए जद्दोजहद करनी पड़ रही है,ऑक्सफैम की रिपोर्ट बताती है कि पिछले दो सालों में खाद्य उद्योग से संबंध रखने वाले 62 नए अरबपति इस अति विशिष्ट वर्ग में शामिल हो गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार इसमें 12 अरबपति केवल कारगिल परिवार से ही हैं, जिनकी संख्या कोविड महामारी से पहले 8 थी। वस्तुओं की बढ़ी कीमतें, मुद्रास्फीति, रिकॉर्ड भूमि मूल्य और नये तकनीकी आविष्कार की लहर पर सवार होकर, जो कि उत्पादकता बढ़ाने के नाम पर है, खाद्य उद्योग का मुनाफा दिन दोगुणा-रात चौगुणा बढ़ता जा रहा है। ऑक्सफैम (ग्रेट ब्रिटेन) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डैनी श्रीकंदराजा कहते हैं : 'ऐसे वक्त में जब लाखों-करोड़ों लोगों के सामने अत्यंत गरीबी मुंह बाए खड़ी है तब सरकारों के पास इतने बड़े स्तर की मुनाफाखोरी और धनलोलुपता को नकेल डालने का कोई बहाना नहीं बचता ताकि कोई पीछे न छूटने पाए'। आखिर क्यों खाद्य शृंखला के अंतिम छोर पर मालिकान का उत्तरोतर बढ़ते मुनाफे का हिस्सा पहली कड़ी यानि फसल उत्पादक किसान तक नहीं पहुंचता। आज अंतर्राष्ट्रीय खाद्य व्यापार के 70 प्रतिशत हिस्से पर कारगिल समेत दुनिया की चार सबसे बड़ी खाद्य-कंपनियों का नियंत्रण है। दुनिया में जिन कृषि वस्तुओं का व्यापार होता है, उसे खेतों में खून-पसीने से किसान उगाता है और उसकी अपनी जिंदगी अच्छी नहीं है। यही बात तकनीक-समृद्ध कंपनियों पर भी लागू होती है, जो कृषि-संत्रासों को दूर करने के लिए तकनीक आधारित उपाय अपनाने को बढ़ावा देकर फल रही हैं। जहां कृषक के लिए कमाई करनी दुरूह है वहीं कृषि-तकनीक कंपनियां चांदी कूट रही हैं। हैरत है कि तमाम नई तकनीकी खोजों के बावजूद वैश्विक ग्रीन हाउस गैस के एक तिहाई उत्सर्जन के लिए औद्योगिक कृषि को जिम्मेवार माना जाता है। इससे आगे, सस्ता भोजन पैदा करने की असल कीमत का श्रेय आसानी से बाहरी अवयवों को दिया जाता है। जहां यह 'बाहरी अवयवों' के आपूर्तिकर्ता अपना मुनाफा बनाकर चलते बनते हैं वहीं इससे पैदा आर्थिक एवं पर्यावरणीय नुकसानों का खमियाजा समाज को भरना पड़ता है। यह चक्र निरंतर चला आ रहा है। अब देखना यह कि कैसे आर्टिफिशएल इंटेलीजेंस पुनः संतुलन बना पाएगी। यही सवाल पेरिस स्थित निजी निवेशक रूफो क्रीटावाले का है, जब उन्होंने स्टैनफोर्ड सोशल इनोवेशन रिव्यू के 12 मार्च 2014 अंक के लिए लिखे विचारोत्तेजक लेख 'अन्न सिलिकॉन वैली में नहीं पैदा होता' में उठाते हुए कहा : 'पिछले 100 सालों में कृषि व्यवस्था में जितनी नई खोजें हुई हैं उतनी इससे पहले के मानव इतिहास के किसी काल में कभी नहीं हो सकीं। इन नई खोजों का साझा जोर फसल का मूल्य नीचे लाना, किसान को दरिद्र बनाना और पर्यावरण का नुकसान करने पर रहा'। वास्तव में, तमाम तकनीकी खोजों का उद्देश्य कार्यकुशला बढ़ाना और उच्चतर उत्पादन हासिल करना है। होना तो यह चाहिए था कि नई खोजों से किसान की आय बढ़ती। लेकिन तथ्य है कि जैसे-जैसे किसान ज्यादा फसल पैदा करता गया वैसे-वैसे उनकी असल आमदनी घटती चली गई। उदाहरणार्थ, उत्तर अमेरिका में, पिछले 150 सालों के दौरान, फसल का उच्चतर उत्पादन हासिल करने के बावजूद, मुद्रा-स्फीति का असर जोड़ लेने के बाद देखें तो उनकी आय असल में घटी है। मसलन, कनाडा में गेहूं का जो वर्तमान मूल्य किसान पा रहा है, उसका छह गुणा ज्यादा भाव परदादा पा रहा था! यह मंजर मुझे भारत के अग्रणी कृषि-प्रधान राज्य पंजाब के हालातों में ला रहा है। सालाना रिकॉर्ड उत्पादकता पाने के बावजूद पंजाब पर्यावरणीय रूप से संकट में बदल चुका है। तकनीक ने उत्पादकता तो जरूर बढ़ाई लेकिन इसकी एवज में भूमिगत जल का अतिरेकपूर्ण दोहन होने से जमीन के नीचे नैसर्गिक जल स्रोत सूखने लगे हैं, जहरीले कैमिकल मिट्टी में रच चुके हैं, उर्वरता का लगातार ह्रास हो रहा है। पराली जलाने से सांस घुटने लगती है। भारत के इस 'अन्न के कटोरे' को खेती को स्वस्थ और टिकाऊ कृषि व्यवस्था में बदलने के लिए बिलखता छोड़ दिया गया है। पंजाब का मामला हमें यह समझने का मौका देता है कि कैसे तकनीक की राजनीति काम करती है। भूमिगत जल बचाने की आजकल जो बात चली हुई है, वह मुझे कुछ दशक पहले अध्ययन के सिलसिले में फिलीपींस के इंटरनेशनल राइस रिसर्च इंस्टीट्यूट (आईआरआरआई) की फेरी की याद दिलाता है। वहां मैंने एक अध्ययन सामग्री में पाया कि धान को बीज बोकर उगाएं या पनीरी प्रणाली से, फसल के उत्पादन में जरा भी फर्क नहीं पड़ता। यह जानते हुए भी कि धान को सीधे बीज डालकर उगाना पहले एशिया के अनेक हिस्सों में आम प्रचलन था, मैंने यह सवाल वहां के सबसे बड़े धान विशेषज्ञ से पूछा। जो उत्तर मुझे मिला वह कुछ इस तरह था : 'ऐसा (पनीरी प्रणाली) करके हम ट्रैक्टर उद्योग की मदद कर रहे थे। आखिरकार दुनिया का 97 फीसदी धान एशिया में उगता है । शायद बुवाई के तौर-तरीके में इस बदलाव का उद्देश्य ट्रैक्टर उद्योग के फलने-फूलने में मदद करना था'। आईआरआरआई का एक अन्य अध्ययन बताता था कि इससे कीट नाशक के प्रभाव में कोई फर्क नहीं पड़ता कि इसको खेत में लगने वाले पानी के स्रोत में मिलाकर भेजा जाए या फिर पीठ पर टंकी बांधकर

नाना प्रकार की नोज़लों से छिड़का जाए। यह बात उससे एकदम उलट थी जो हमें बतौर विद्यार्थी सिखाई गयी थी। नीतियों, सब्सिडी और आसान कर्ज शर्तों की वजह से किसान को ज्यादा से ज्यादा मशीनें खरीदने के लिए प्रेरित किया जाता है। उदाहरणार्थ, पंजाब में कुल जरूरत से 5 गुणा ज्यादा ट्रैक्टर मौजूद हैं। एक बार तो पंजाब कृषि आयोग के एक पूर्व अध्यक्ष ने किसान को ट्रैक्टर के लिए आसान कर्ज न देने की बैंकों से अपील भी की थी। पराली जलाने पर नियंत्रण के नाम पर पहले ही 75000 मशीनें बिक चुकी हैं। 5-6 घटक मशीनों वाली यह मशीन प्रणाली सालभर में महज 3 हफ्ते के लिए प्रयोग में आती है। जैसे-जैसे नये तकनीकी उपकरण और मशीनें खरीदने को प्रेरित किया जाएगा वैसे-वैसे किसान कर्ज के जाल में और फंसता जाएगा और इन्हें बनाने वालों की जेब भारी होगी। ऐसा बहुत कम होता है कि वह तकनीक जिसमें उपकरणों-मशीनों की जरूरत न पड़े,उसका जिक्र हो। बात तकनीक की मुखालफत की नहीं है किंतु सवाल है कि क्यों केवल ब्रांडेड तकनीक को ही बढ़ावा दिया जाए। एक साधारण किंतु प्रभावशाली तकनीक जैसा कि स्व. सुरिंदर दलाल ने कपास के कीड़ों के खात्मे को अपने इजाद किए निदान मॉडल से कर दिखाया था, हरियाणा में इसको अपनाने वाले कम हुए, केवल इसलिए कि इसमें किसी मशीन की जरूरत जो नहीं थी! धान की बुवाई के लिए धान सघनता प्रणाली वाला तरीका एक अन्य उदाहरण है, और सूची काफी लंबी है। आधुनिकीकरण की प्रक्रिया में हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि पंजाब मशीनों का कबाड़खाना न बनने पाए। मानसिकता बदलकर वह टिकाऊ तकनीक अपनाई जाए जिसमें बाहरी अवयवों और मशीनरी की जरूरत कम पड़े।

-लेखक कृषि एवं खाद्य मामलों के विशेषज्ञ हैं

पंजाब-हरियाणा सिंचाई क्षमता पर फोकस करें

बिजली-पानी की बचत/ डॉ शेर सिंह सांगवान

ग्रामीण क्षेत्र में भ्रमण के दौरान मैंने देखा कि कई किसान स्प्रिंकलर से अपने खेतों की सिंचाई कर रहे थे। दोपहर के 12 बज रहे थे और 45 डिग्री तापमान पर गर्म हवा भी चल रही थी। पानी गर्म लोहे की प्लेट की तरह गर्म रेत को छू रहा था जो छिड़के हुए पानी के वाष्पीकरण को बढ़ा रहा था और वातावरण में भी गर्मी छोड़ रहा था। इसके अलावा, थोड़े समय के भीतर पानी जमीन से वाष्पित हो रहा था । मुझे लगता है, इस स्थिति में बमुश्किल 15-20 प्रतिशत पानी का उपयोग हो रहा होगा जबकि बिजली की लागत 100 प्रतिशत है। यह न केवल सबसे कम सिंचाई दक्षता दे रहा है बल्कि ग्रीन हाउस प्रभाव भी पैदा कर रहा है। सिंचाई दक्षता का डेटा लिफाफा विश्लेषण (डीईए) पद्धति का उपयोग करके अनुमान लगाया जाता है। डीईए का निर्णय लेने वाली इकाइयां यहां राज्य और किसान हैं । सिंचाई दक्षता स्कोर 0 और 1 के बीच होता है। एक हालिया अध्ययन ने दो इनपुट वैरिएबल का उपयोग किया है, अर्थात सिंचित क्षेत्र की औसत लागत और सिंचाई के तहत क्षेत्र कवरेज और एक आउटपुट वैरिएबल, जो कि सिंचाई दक्षता के आकलन के लिए %आउटपुट का मूल्य% है। अनुमानित परिणामों से पता चलता है कि 19 प्रमुख राज्यों में से केरल, असम और उत्तराखंड में अधिकतम सिंचाई दक्षता 1.00 यानी 100 प्रतिशत है; आठ राज्यों में 0.4 से 0.5 के बीच है, जिसमें पंजाब 0.5 और हरियाणा 0.4 भी शामिल हैं। अन्य आठ राज्यों में, 2018 को समाप्त होने वाले त्रैवार्षिक के लिए सिंचाई दक्षता स्कोर 0.2 से 0.3 के बीच है। कुछ कारण जैसे मौसम और पानी देने का समय, शुरुआत में अवलोकन से सीधे परिलक्षित होते हैं। इसके अलावा, विभिन्न व्यापक क्षेत्रों के लिए अध्ययन द्वारा सामने लाए गए सिंचाई दक्षता के अन्य प्रभावशाली कारक हैं - पानी की अधिक खपत वाली फसलें जैसे चावल, गन्ना के तहत क्षेत्र, न्यूनतम समर्थन मूल्य पर राज्य सरकार की खरीद सहायता और अति-शोषित क्षेत्र में ट्यूबवेल सिंचाई की प्रबलता। गहरा भूजल स्तर मोटर्स की पानी पंपिंग दक्षता को कम करता है जिसके परिणामस्वरूप प्रति यूनिट पानी की लागत बढ़ जाती है। इसके अलावा पंजाब और हरियाणा में एमएसपी पर चावल की असीमित खरीद और गन्ने के उच्च राज्य सलाह मूल्य (एसएपी) के कार्यान्वयन से इन फसलों का क्षेत्र बढ़ता है, जिससे सिंचाई दक्षता कम हो रही है। साथ ही कृषि क्षेत्र को फिक्स स्लैब या मुफ्त बिजली भूजल के उपयोग में कहर बरपा रही है। रेतीली मिट्टी में चिलचिलाती गर्मी में अप्रैल से जून के महीनों में दिन के समय नलकूपों से सिंचाई करने से भूजल का 20 फीसदी उपयोग मुश्किल से होता है, हालांकि बिजली की खपत समान होती है जो उपयुक्त समय पर 80 प्रतिशत से अधिक उपयोग कर सकती है। किसानों को निश्चित स्लैब या मुफ्त के कारण अतिरिक्त ऊर्जा शुल्क का भुगतान नहीं करना पड़ता है, लेकिन यह लागत की तुलना में उत्पादन को कम कर देता है। भिवानी और चरखी दादरी जिले के किसानों ने बताया कि उन्हें दिन में नलकूप और स्प्रिंकलर चलाना पड़ता है क्योंकि उस समय बिजली की आपूर्ति होती है। विवेकपूर्ण राज्य सरकारें दक्षिणी हरियाणा और पंजाब में कम से कम गर्मी के महीनों के दौरान शाम 7 बजे से सुबह 6 बजे के बीच बिजली आपूर्ति के घंटे-रोस्टर कर सकती हैं, जो इन महीनों में नलकूपों से सिंचाई दक्षता तीन से चार गुना बढ़ा सकता है। यह निर्णय राज्यों के बिजली खर्च को बहुत बचा सकता है। इसके अलावा, किसानों को प्रोत्साहित करके चावल गहनता प्रणाली (एसआरआई) जैसी तकनीकों को तेज करने की आवश्यकता है। इस प्रणाली के पास न केवल चावल आधारित फसल प्रणाली में भूमि उत्पादकता में 46 प्रतिशत सुधार करने की क्षमता है, बल्कि पानी की आवश्यकता को भी 40 प्रतिशत तक कम करने की क्षमता है। पंजाब पहले से ही इसे ले रहा है। इन राज्यों में बिगड़ते भूजल स्तर को रोकने के लिए सूक्ष्म और स्प्रिंकलर सिंचाई जैसी जल बचत तकनीकों को बड़े पैमाने पर अपनाया जा सकता है। हरियाणा ने विशेष रूप से दक्षिणी जिलों में बड़े पैमाने पर स्प्रिंकलर अपनाए हैं लेकिन पंजाब में अभी भी इसकी कमी है। इसकी वजह पंजाब में मुफ्त बिजली और सस्ता नहरी पानी हो सकता है। हालांकि, संरक्षित-कृषि के तहत, दोनों राज्य सूक्ष्म सिंचाई को अपना रहे हैं जो कि केंद्र की सब्सिडी वाली योजना में अंतर्निहित है। इसके अलावा, स्थान-विशिष्ट पानी की उपलब्धता के अनुसार फसल पैटर्न को बदलना दीर्घकालिक समाधान है । फसल पैटर्न बदल रहा है लेकिन अपेक्षा से बहुत कम। इस प्रक्रिया में, 'न्यूनतम समर्थन मूल्य नीति' को पानी की उपलब्धता के अनुसार फसलों की योजना बनाने के प्रभावी रूप में उपयोग किया जा सकता है। हरियाणा राज्य पहले से ही किसानों के फसल क्षेत्रों को %मेरी फसल-मेरा ब्योरा% के तहत पंजीकृत करके उस दिशा में आगे बढ़ रहा है। लेकिन, इसे उन लोगों के लिए एमएसपी पर गारंटीकृत खरीद के साथ जोड़ा जाना चाहिए, जो फसल की बुवाई के मौसम से पहले अपना पंजीकरण कराते हैं। पंजाब में इस साल एमएसपी पर मूंग की खरीद के बाद मूंग का क्षेत्र बढ़ सकता है, जो एमएसपी प्रभाव का एक और प्रमाण होगा।

आज के कार्टुन

आत्मीयता

श्रीराम शर्मा आचार्य/ मनुष्य जीवन में सब से मधुर यदि कोई वस्तु है, तो वह है-स्नेह, सद्भाव, आत्मीयता। एक दूसरे के प्रति जहां इस प्रकार की भावना रखी जाती है, वहां स्वर्ग का साक्षात्कार होता है। कहना न होगा कि घोर गरीबी और अभावग्रस्त स्थिति में होने पर भी मनुष्य इन तत्त्वों के होने पर भारी संतोष और शांति का अनुभव करता है। इस तत्त्व को सुरक्षित रखने के लिए ही आध्यात्मिकता, धार्मिकता एवं आस्तिकता का सारा विधान बना हुआ है। दूसरों के प्रति स्नेह-सद्भाव एवं आत्मीयता बनी रहे एवं बढ़ती रहे, इसके लिए यह परम आवश्यक है कि मनुष्य दूसरों के शरीर में भी अपनी ही आत्मा को देखे। उनके सुख-दुःख को भी अपना ही सुख-दुःख माने। जिस प्रकार अपने बाल-बच्चे एवं परिजन अपने लगते हैं, वैसे ही और लोग भी अपने लगने लगें, तो उनसे सहज ही स्नेह उत्पन्न होगा। जिसके प्रति सच्चा स्नेह होता है, उसके साथ कुछ नेकी-भलाई-उदारता का परिचय देने की इच्छा स्वभावतः ही होती है। नवजात शिशु के पेट में कोई गड़बड़ी उत्पन्न हो जाए, इस भय से माता अपनी जिव्हा इन्द्रिय पर पूरा काबू रखकर अपना आहार चलाती है। अपने स्वाद की उपेक्षा करके वह बालक के स्वार्थ का ही ध्यान रखती है। यही मातृ बुद्धि जब सारे समाज के प्रति होने लगती है, तो मनुष्य स्वभावतः संयमी और संतोषी हो जाता है। माता अपने भोजन, वस्त्र, सुविधा तथा साधनों में कमी करके भी जिस प्रकार अपने प्यारे बालकों के लिए खुशी-खुशी अधिकाधिक साधन-सामग्री जुटाती है, और उस प्रयत्न में उसे जो त्याग करना पड़ता है, अभाव भोगना पड़ता है, उससे खिन्न होना तो दूर-उलटे अधिक प्रसन्नता अनुभव करती है। यह त्याग का, दान का, परमार्थ का, पुण्य का, उदारता का, सेवा का सिद्धान्त है। आत्मभाव के विस्तार से ही संयम, त्याग, स्नेह तथा सेवा-भावना की वृद्धि होती है। मानव मात्र एक दूसरे के प्रति प्यार करे, एक दूसरे के साथ सद्भाव एवं सहृदयता का व्यवहार करे, न्यायोचित मार्ग से जितनी साधन-सामग्री जुट सके, उसी में संतोष करे, और अन्य लोगों की भावनाओं का ख्याल रखे तो उसके लिए इस संसार में मानसिक उलझनों जैसी कोई समस्या शेष नहीं रह जाती। यदि मन प्रसन्न रहे, उद्वेगों से छुटकारा प्राप्त किया जा सके, तो जीवनयापन बहुत ही सरल, सुविधाजनक एवं शान्तिपूर्ण हो सकता है।

सू-दोकू नवताल -2136

2				9	8	7		1
1					3	5		
		9		5				
3	4	7				2		6
5		2		6		4		8
8		1				9	3	7
				7		1		
		8	2					4
9		4	5	8				2

सू-दोकू -2135 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2136

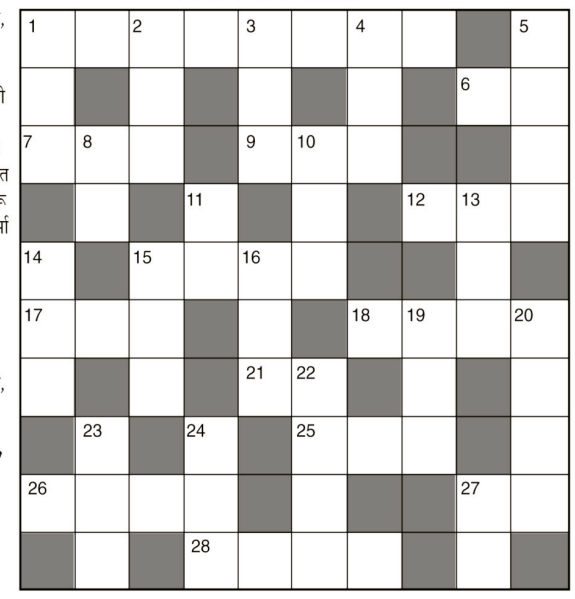

बायें से दायें:-

1. 'तुम्हें और क्या' गीत वाली राजेंद्र कुमार, सायरा की फिल्म-2,3,1,2
6. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मैं ने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-2
7. 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली अजय देवगन, अभिषेक बच्चन, बिपाशा बसु की फिल्म-3
9. संजयदत्त, विवेक मुशरान, मनीषा कोइराला की 'आँखों में नींदें ना' गीत वाली फिल्म-3
12. 'मार ओडारी नी कुकिए' गीत वाली मनोज बाजवेयी, उर्मिला की फिल्म-3
15. अजय देवगन, अमीषा की 'जो पल्लू गिरा दिया' गीत वाली फिल्म-4
17. 'मैं निकला गड्डी लेके' गीत वाली सनी देओल, अमीषा पटेल की फिल्म-3
18. मनोजकुमार, आशा की 'लो आ गई उनकी' गीत वाली फिल्म-1,3
21. 'कमसिन कली हूँ' गीत वाली नाना पाटेकर, पुरू राजकुमार, अनुपमा वर्मा की फिल्म-2
25. 'पाप दी ग्रेट' में किशनकुमार के साथ नायिका कौन थी?-3
26. 'छोड़ दे जवानी में' गीत वाली राजेश खन्ना, राखी की फिल्म-4
27. कमल सदाना, दिव्या की 'दिल चीर के देख' गीत वाली फिल्म-2
28. 'एक लड़की दिल से गई' गीत वाली शरदकुमार, नंदा की फिल्म-2,2

ऊपर से नीचे:-

1. सुनील, सुष्मिता, नम्रता की 'दोस्ती हो गई रे' गीत वाली फिल्म-3
2. 'बोल गोरी बोल' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-3
3. फिल्म 'बाबुल' में दिलीपकुमार के साथ नायिका कौन थी-3
4. 'यारा ओ यारा इश्क ने मारा' गीत वाली अमिताभ, मौसमी की फिल्म-3
5. धर्मेन्द्र, जीनत अमान की 'हम बेवफा हरगिज न थे' गीत वाली फिल्म-4
8. फिल्म 'शारदा' में राज कपूर के साथ नायिका कौन थी?-2
10. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की फिल्म-3
11. 'खोया है तूने जो' गीत वाली लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-2
13. 'चिनाई चुन चुन' गीत वाली फिल्म-3
14. फरदीन खान, उर्मिला की फिल्म-3
15. वसंत चौधरी, मोतीलाल, साधना की 'ओ सजना बरखा बहार' गीत वाली फिल्म-3
16. संजयदत्त, नम्रता शिरोडकर की 'मेरी दुनिया है' गीत वाली फिल्म-3
19. 'जीने की तमन्ना हो' गीत वाली फिल्म-3
20. वी. शांताराम की 'आधा है चंद्रमा रात आधी' गीत वाली फिल्म-4
22. 'नाजुक सी कली थी' गीत वाली अजय, मनीषा, करिशमा की फिल्म-4
23. 'दिल जंगली कबूतर' गीतवाली फिल्म-3
24. नवीन निश्चल, आशा की फिल्म-3
27. फिल्म 'क्रोध' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी-2

फिल्म वर्ग पहेली-2135

ह	म	तु	म	■	बं	दि	श	■	जं
स्ती	■	म	हा	रा	जा	■	रा	जा	जी
■	दी	■	न	■	र	■	वी	■	र
दी	वा	ना	■	जी	न	त	■	क	■
■	र	■	अं	त	■	ला	वा	रि	स
आ	■	दा	दा	■	जो	श	■	श्मा	■
क्रो	ध	■	ज	मी	र	■	अ	■	इं
श	■	आ	■	रा	■	ज	मा	न	त
■	म	ह	ल	■	जीं	■	न	■	का
दो	स्त	■	क्ष्य	■	स	पू	त	■	म

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

यूएई आईएलटी20 का आगाज अगले साल 6 जनवरी से 12 फरवरी तक

-6 में से 5 टीमों का संबंध भारतीय कंपनियों से

दुबई । आईपीएल 2022 के बाद एक बार फिर क्रिकेट स्पर्धा का जलवा अगले साल यूएई में देखने को मिलेगा। अमीरात क्रिकेट बोर्ड छह जनवरी से 12 फरवरी 2023 तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट लीग (आईएलटी20) के शुरुआती सत्र की मेजबानी करेगा जिसमें शामिल छह टीमों में से पांच का संबंध भारतीय कंपनियों से है। इंडियन प्रीमियर लीग की तीन टीमों के मालिकाना हक वाली कंपनियों ने इस लीग में टीमें खरीदी हैं। छह फ्रैंचाइजी में से पांच भारतीय कंपनियों से जुड़ी हैं, जिनमें मुंबई इंडियंस का मालिकाना हक रखने वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज, शाहरुख खान का नाइट राइडर्स समूह, दिल्ली कैपिटल्स के सह-मालिक जीएमआर, अदानी स्पोर्ट्स लाइन और कैपरी ग्लोबल के अलावा लांसर कैपिटल्स की टीमें शामिल हैं। लांसर कैपिटल्स मैनचेस्टर यूनाइटेड के मालिक ग्लेजर परिवार से संबंधित कंपनी है। अमीरात क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष शेख नाहयान मबारेक अल नाहयान ने कहा, 'अमीरात क्रिकेट बोर्ड को रिलायंस इंडस्ट्रीज, कोलकाता नाइट राइडर्स, कैपरी ग्लोबल, जीएमआर, लांसर कैपिटल, अदानी स्पोर्ट्स लाइन, प्रसारक जी समूह और अन्य सभी हितधारक के यूएई की नयी टी20 लीग से जुड़ने की खुशी है। इस तरह की अनुभवी कंपनियों का यूएई टी20 लीग से जुड़ना शानदार है।' इस लीग से स्थानीय खिलाड़ियों को भी अपना कौशल दिखाने का मौका मिलेगा।

इंफोसिस फाउंडेशन ने चार मोबाइल प्रयोगशालाएं शुरू करने का किया ऐलान

बेंगलुरु । देश की शीर्ष आईटी कंपनी इंफोसिस ने अपने सामाजिक दायित्वों के तहत परोपकारी एवं कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) इकाई इंफोसिस फाउंडेशन ने लागत प्रभावी निदान समाधान सुविधा देने के लिए सोमवार को चार मोबाइल प्रयोगशालाएं शुरू करने की घोषणा की है। इसे %लैब बिल्ट ऑन व्हील्स% नाम दिया गया है। फाउंडेशन ने इन प्रयोगशालाओं को बनाने के लिए रोटरी बेंगलुरु साउथवेस्ट चैरिटेबल ट्रस्ट (रोटरी ट्रस्ट) के साथ एक सहमति पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। प्रयोगशालाओं को बनाने के लिए चार करोड़ रुपये की सहायता दी जाएगी। रोटरी ट्रस्ट और इंफोसिस ने मिलकर इन मोबाइल प्रयोगशालाओं को कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई को सौंपा। इस कार्यक्रम में इंफोसिस के मानव संसाधन विकास के समूह प्रमुख एवं कार्यकारी उपाध्यक्ष कृष्ण शंकर और रोटरी ट्रस्ट समेत सरकार के अन्य उच्च पदाधिकारी भी उपस्थित थे। इंफोसिस फाउंडेशन ने एक बयान में कहा, 'रोटरी ट्रस्ट ने साइकॉर्प हेल्थ टेक्नोलॉजीज (एसएचटीपीएल) के साथ गठजोड़ किया है।'

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया बढ़त के साथ बंद हुआ। विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया दो पैसे की तेजी के साथ ही 77.64 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। माना जा रहा है कि कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें, विदेशी पूंजी की बाजार से लगातार निकासी और घरेलू शेयर बाजार के कमजोर होने से भी रुपये की तेजी पर कुछ लगाम लगी है। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपये में सीमित दायरे में कारोबार हुआ। डॉलर के मुकाबले रुपया सुबह 77.65 पर खुला। दिन के कारोबार में यह 77.55 के उच्च और 77.67 के निचले स्तर तक गया। अंत में यह अपने पिछले बंद भाव के मुकाबले दो पैसे की तेजी के साथ ही 77.64 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं इससे पिछले के कारोबारी सत्र में रुपया 77.66 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं की तुलना में अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.20 फीसदी घटकर 101.93 पर पहुंच गया।

रेलवे का ऐलान, 'यूजर आईडी' को आधार से लिंक कराने पर महीने में मिलेगी 24 टिकट बुक करने की इजाजत

नई दिल्ली।

भारतीय रेल ने सोमवार को बड़ा ऐलान किया है। जानकारी के मुताबिक अपनी 'यूजर आईडी' को 'आधार' से जोड़ने पर लोग भारतीय रेलवे खान-पान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) की वेबसाइट और (मोबाइल) ऐप के जरिये एक महीने में अब 24 ट्रेन टिकट बुक कर सकते हैं, अन्यथा सिर्फ 12 टिकट ही बुक किये जा सकते हैं। आईआरसीटीसी अब तक, खाता (यूजर आईडी) आधार से नहीं जुड़े होने पर लोगों को महीने में छह टिकट बुक करने की अनुमति देता था और इससे जुड़े होने पर 12 टिकट बुक किये जा सकते थे। रेल मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'यात्रियों को सुविधा प्रदान करने के लिए भारतीय रेल ने आधार से नहीं जुड़े हुए यूजर (उपयोगकर्ता) आईडी (पहचान) से महीने में बुक की जाने वाली अधिकतम टिकट की संख्या छह से बढ़ा कर 12 कर दी है।' इसमें कहा गया है, 'जबकि आधार से जुड़े यूजर आईडी द्वारा एक महीने में बुक की जाने वाली टिकट की अधिकतम सीमा बढ़ा कर 24 कर दी गई है। साथ ही, बुक की जाने वाली टिकट में जिन यात्रियों के नाम होंगे, उनमें से एक का सत्यापन आधार के जरिये होना चाहिए।' अधिकारियों ने बताया कि यह बार-बार यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए और उन लोगों के लिए भी मददगार होगा जो परिवार के सदस्यों के लिए एक ही खाते (यूजर आईडी) से ट्रेन की टिकट बुक करते हैं।

नोट से महात्मा गांधी का चेहरा हटाने की कोई योजना नहीं: आरबीआई

नयी दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मीडिया में आई रिपोर्टों को खारिज करते हुए कहा है कि बैंक नोटों से महात्मा गांधी का चेहरा हटाने का कोई प्रस्ताव नहीं है। आरबीआई ने सोमवार को जारी विज्ञप्ति में कहा कि मीडिया में ऐसी रिपोर्टें आ रही है कि केंद्रीय बैंक करेंसी नोटों से महात्मा गांधी का चेहरा हटाकर किसी और का चेहरा इस्तेमाल करने के बारे में विचार कर रहा है। आरबीआई ने स्पष्ट किया है कि उसके पास ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है। गौरतलब है कि मीडिया में ऐसी खबरें आई थीं कि आरबीआई और वित्त मंत्रालय के अधीन सिक्योरिटी प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने आईआईटी दिल्ली के दिलीप शाहनी को महात्मा गांधी, रविंद्रनाथ टैगोर और एपीजे अब्दुल कलाम के वॉटरमार्क इमेज वाले करेंसी नोट का नमूना भेजा था। सोशल मीडिया पर ये इमेज वायरल हो चुके हैं ।

खाड़ी सहयोग परीषद के साथ भारत का द्विपक्षीय व्यापार बढ़कर 154.73 अरब डॉलर

मुंबई । भारत का खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के सभी छह सदस्य देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार वित्त वर्ष 2021-22 में तेजी से बढ़ा है। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, जीसीसी को भारत का निर्यात 2021-22 में 58.26 प्रतिशत बढ़कर लगभग 44 अरब डॉलर हो गया है, जो 2020-21 में 27.8 अरब डॉलर था। इसके साथ इन छह देशों का भारत के कुल निर्यात में हिस्सा 2020-21 के 9.51 प्रतिशत से बढ़कर 2021-22 में 10.4 प्रतिशत हो गया है। आंकड़ों के मुताबिक़, इसी तरह जीसीसी से आयात भी 2020-21 में 59.6 अरब डॉलर के मुकाबले बीते वित्त वर्ष में 85.8 प्रतिशत बढ़कर 110.73 अरब डॉलर हो गया। वहीं, जीसीसी सदस्य देशों का भारत के कुल आयात में हिस्सा 2021-22 में बढ़कर 18 प्रतिशत हो गया, जो 2020-21 में 15.5 प्रतिशत था। मंत्रालय ने बताया कि भारत और जीसीसी के बीच द्विपक्षीय व्यापार 2021-22 में उछलकर 154.73 अरब डॉलर का हो गया। 2020-21 में यह 87.4 अरब डॉलर का था। ये आंकड़े इस दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं कि भारत जीसीसी देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए बातचीत शुरू करने की तैयारी में है। जीसीसी की स्थापना मई, 1981 में हुई थी। इसमें सऊदी अरब, बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे देश शामिल हैं।

अंततः खून के रिश्तों ने अनिल और मुकेश अंबानी को मिलाया, दोनों ने की एक दूसरे की मदद

नई दिल्ली।

कहते हैं कि खून के रिश्ते आसानी से नहीं खत्म होते ऐसा ही कुछ देश रईस घराने अंबानी के बीच देखने को मिला। दरअसल, अनिल अंबानी और मुकेश अंबानी में भले ही एक वक्त पर इतना मनमुटाव हो गया था कि बंटवारा करना पड़ा, लेकिन अब एक अलग ही तस्वीर दिख रही है। 2002 में धीरूभाई अंबानी की मौत के कुछ सालों में ही दोनों का झगड़ा सामने आ गया। उस दौर में भले ही दोनों भाई एक दूसरे को ना देखना पसंद करते हों, लेकिन अब दोनों अक्सर एक दूसरे की मदद करते दिखते हैं। हाल ही में मुंबई के जियो वर्ल्ड सेंटर में एक कार्यक्रम के दौरान दोनों भाई साथ दिखे। दोनों की तस्वीर देखकर ही आप समझ सकते हैं कि उनके बीच का प्यार आज तक कम नहीं हुआ है। दोनों के मुस्कुराते चेहरे देख आप भी %वाह% ही कहेंगे। अक्सर ऐसी तस्वीरें या वाकये सामने आते हैं, जब दोनों एक दूसरे की मदद करते दिखते हैं।

जब मुकेश अंबानी की बेटी ईशा अंबानी की शादी हुई थी, तो अनिल अंबानी खुद ही मेहमानों का स्वागत करते दिखे। बारातियों के स्वागत में भी वह अपने भतीजों के साथ नजर आए। ईशा अंबानी की शादी में साफ दिख रहा था कि वह मुकेश अंबानी के छोटे भाई होने और ईशा अंबानी के चाचा होने का फर्ज बखूबी निभा रहे हैं। शादी का शायद ही ऐसा कोई फंक्शन होगा, जिसमें अनिल अंबानी की मौजूदगी नहीं रही। अनिल अंबानी को एरिक्सन के करीब 500 करोड़ रुपयों को भुगतान करना था और अगर वह समय रहते यह रकम नहीं चुका पाते तो उन्हें जेल तक जाना पड़ जाता। ऐसी मुश्किल की घड़ी में बड़े भाई मुकेश अंबानी ने मदद का हाथ आगे बढ़ाया था। उन्होंने वित्तीय सहायता तो नहीं की थी, लेकिन अपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज को कॉरपोरेट लीज पर रखने को दिया, जिससे अनिल अंबानी एरिक्शन की बकाया राशि का भुगतान कर सके। खुद अनिल अंबानी ने मदद करने के लिए भाई मुकेश अंबानी और भाभी नीता अंबानी को भावुक होकर धन्यवाद कहा था।

मार्च 2018 में अनिल अंबानी की मदद करते हुए मुकेश अंबानी ने रिलायंस कम्युनिकेशन का वायरलेस बिजनेस खरीद लिया, जिसमें 43 हजार टावर शामिल थे। टावर के साथ-साथ फाइबर नेटवर्क भी इसमें शामिल था। इस डील से मुकेश अंबानी को नई-नई लॉन्च हुई कंपनी रिलायंस जियो का नेटवर्क मजबूत करने का मौका मिला। वहीं इससे सबसे बड़ी मदद मिली अनिल अंबानी को, जो बुरी तरह से कर्ज के जाल में फंस चुके हैं। हालांकि, बाद में मुकेश अंबानी ने अपना टावर बिजनेस कनाडा की ब्रुकफील्ड इंफ्रास्ट्रक्चर पार्टनर्स एलपी को 25,215 करोड़ रुपये में बेच दिया।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार सोमवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन एशियाई बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बीच ही विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली से भी बाजार नीचे आया है। इसके अलावा भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक समीक्षा से पहले निवेशकों ने सतर्क रुख अपना है। उससे भी बाजार पर दबाव पड़ा है। आज सुबह खुलने के साथ ही बाजार में गिरावट आने लगी जो दिन भर जारी रही। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 93.91 अंक करीब 0.17 फीसदी नीचे आकर 55,675.32 अंक पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 14.75 अंक तकरीबन 0.09 फीसदी की गिरावट के साथ ही 16,569.55 अंक पर बंद हुआ।

बाजार जानकारों के अनुसार सुबह गिरावट पर खुलने के बाद दोपहर के कारोबार के दौरान बाजार में कुछ बढ़त आयी। बाजार में आरबीआई की मौद्रिक नीति समीक्षा से पहले संशय की स्थिति बनी हुई थी। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिन की बैठक आज से यहां शुरू हुई। यह समिति बुधवार को मौद्रिक समीक्षा जारी करेगी। इसमें माना जा रहा है कि आरबीआई मुद्रास्फीति पर अंकुश के लिए कुछ कड़े नीतिगत कदम उठा सकता है। सेंसेक्स के शेयरों में एशियन पेंट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फिनसर्व, डा. रेड्डीज, नेस्ले, लार्सन एंड टुब्रो, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एक्सिस बैंक के शेयर गिरे हैं। वहीं इसके विपरीत टाटा स्टील, इंडसइंड बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयरों को लाभ हुआ।

इससे पहले शुक्रवार को भी बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ था। वहीं अन्य एशियाई बाजारों की बात करें तो जापान का निक्की, चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग लाभ में रहे। दूसरी ओर यूरोप के प्रमुख बाजारों में तेजी रही।

टाटा मोटर्स को मिला बड़ा आर्डर, ब्लूस्मार्ट इलेक्ट्रिक को 10 हजार एक्सप्रेस-टी ईवी इकाइयों की करेगा आपूर्ति

नई दिल्ली । टाटा मोटर्स ने बड़ा हाथ मारते हुए ब्लूस्मार्ट इलेक्ट्रिक मोबिलिटी से 10,000 एक्सप्रेस-टी ईवी इकाइयों की आपूर्ति का ऑर्डर हासिल किया है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि 10,000 इकाइयों का यह सौदा भारत का अब तक का सबसे बड़ा इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बेड़े का ऑर्डर है। यह ऑर्डर, दोनों कंपनियों के बीच पिछले साल अक्टूबर में 3,500 एक्सप्रेस-टी ईवी की आपूर्ति के लिए हुए सौदे के अतिरिक्त है। इनकी आपूर्ति जल्द शुरू होगी। टाटा मोटर्स पैसेंजर वेहिकल्स के प्रबंध निदेशक शैलेश चंद्रा ने कहा, 'टाटा मोटर्स क्षेत्र के तेजी से विद्युतीकरण की दिशा में सक्रियता से कदम बढ़ा रही है। और यह खुशी की बात है कि जानेमाने फ्लीट एग्रिगेटर हरित परिवहन को बढ़ावा देने के लिए हमारे साथ हैं।' उन्होंने कहा कि कंपनी को ब्लूस्मार्ट इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के साथ जुड़ाव जारी रखने की खुशी है और इसके तहत 10,000 एक्सप्रेस-टी ईवी को देशभर में तैनात किया जाएगा।

मानेसर कारखाने में मारुति सुजुकी ने 20 मेगावॉट क्षमता का सौर संयंत्र स्थापित किया

नई दिल्ली ।

देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने हरियाणा में अपने मानेसर स्थित कारखाने में 20 एमडब्ल्यूपी (मेगावॉट पीक) क्षमता का सौर बिजली संयंत्र स्थापित किया है। कंपनी ने सोमवार को बयान में कहा कि इस इकाई से सालाना 28,000 मेगावॉट बिजली का उत्पादन होगा। यह कारखाने में सालाना 67,000 से अधिक कारों के उत्पादन के लिये बिजली की जरूरत को पूरा करने के बराबर है। मारुति सुजुकी इंडिया के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) हिसाशी ताकेयूची ने बयान में कहा 'नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग समय की जरूरत है। हम देश को नवीकरणीय ऊर्जा संसाधनों के मामले में समृद्ध बनाने के सरकार के दृष्टिकोण को लेकर प्रतिबद्ध हैं।'' उन्होंने कहा कि यह कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने की दिशा में उठाया गया कदम है। ताकेयूची ने कहा, 'हमारी कंपनी परिचालन को अनुकूलतम बनाने के लिये सतत ऊर्जा विकल्पों के उपयोग को लेकर प्रतिबद्ध है। सौर ऊर्जा संयंत्र से उत्पादित बिजली मानेसर कारखाने की 11.5 प्रतिशत जरूरत को पूरा करेगी।' मारुति सुजुकी ने कहा कि वह 2014 से सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा दे रही है। उस समय उसने मानेसर कारखाने में एक एमडब्ल्यूपी क्षमता की इकाई लगायी थी। इस संयंत्र की क्षमता बढ़ाकर बाद में 1.3 एमडब्ल्यूपी कर दी गई। मानेसर में इस नये संयंत्र के साथ कंपनी की सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता बढ़कर 26.3 एमडब्ल्यूपी हो गयी है। कंपनी के अनुसार, इस नये बिजली संयंत्र से सालाना 20,000 टन कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी।

देश का पहला बैंकिंग मेटावर्स 'कियावर्स' लॉन्च, घर बैठे हो जुड़ जाएगा ब्रांच से

नई दिल्ली ।

मुंबई की प्रतिष्ठित मशहूर फिनटेक कंपनी कियाडॉट एआई ने भारत का पहला बैंकिंग मेटावर्स लॉन्च किया है। इसे कंपनी ने कियावर्स नाम दिया है। इसका यूज बैंकिंग और नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनियां (एनबीएफसीएस) वर्चुअल इंटरैक्शन करने के लिए कर सकती हैं। कंपनी ने कहा है कि कियावर्स को फेज में रोलआउट किया जाएगा। बैंकिंग मेटावर्स कई तरह की सर्विसेज देगा। इसमें वर्चुअल रिलेशनशिप मैनेजर, पीर अवतार और वर्चुअल एडवाइजर (रोबो एडवाइजर) शामिल हैं। अगले कुछ फेज में कियाडॉटएआई का प्लान एनएफटी को टोकन की तरह और सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसीएस) को ट्रांजैक्शन के लिए सपोर्ट करेगा। कंपनी ने बताया कि कियावर्स ओपन एपीआईआई कनेक्टर इंटरफेस एग्रीगेटर और गेटवे को इंटरफेस करेगा। इससे कियावर्स में बैंकिंग सुपर ऐप और मार्केटप्लेस को क्रिएट किया जा सकता है। आपको बता दें कि एपीआई कनेक्टर पर ही टाटा डिजिटल का फ्लैगशिप सुपर ऐप टाटा नियो काम करता है। कियाडॉटएआई ने ये भी कहा है कि आने वाले समय में कियावर्स लगभग रियल वर्ल्ड इंटरैक्शन एक्सपीरियंस देगा। इसके लिए हैप्टिक-एनेबल्ड हेडसेट्स और इंटरनेट ऑफ सेंस का भी यूज किया जाएगा।

बैंकस और एनबीएफसीएस कियावर्स के जरिए अपना खुद का इन-ब्रांच एक्सपीरियंस वर्जन बना सकेंगे। कस्टमर मेटावर्स में पर्सनलाइज्ड अवतार के जरिए मल्टीपल इंटरफेस पर बैंकिंग सर्विस को एक्सेस कर सकेंगे। इसमें डिजिटल बैंकिंग यूनिट्स, मोबाइल, लैपटॉप, वीआर हेडसेट्स और मिक्सड रियलिटी एनवायरमेंट्स शामिल हैं। कियावर्क प्लेटफॉर्म पर यूजर अवतार सेटअप करने के बाद वर्चुअल रिलेशनशिप मैनेजर के साथ इंटरैक्ट कर सकते हैं, बैंकिंग सर्विस को एक्सेस कर सकते हैं। इसके अलावा वो कई बैंकिंग सर्विस जैसे पोर्टफोलियो एनालिसिस, वेल्थ मैनेजमेंट और दूसरी सर्विस को भी एक्सेस कर सकते हैं।

बिल गेट्स ने कार्बन उत्सर्जन में कटौती के भारत के प्रयासों को सराहा बोले- मैं प्रभावित हूं

नई दिल्ली ।

वैश्विक स्तर की कंपनी माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स ने कहा कि वह कार्बन उत्सर्जन में कटौती के भारत के प्रयासों और नेतृत्व से प्रेरित हैं। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए सामूहिक वैश्विक कार्रवाई की पहले से कहीं अधिक जरूरत है और 'हम अपने जलवायु लक्ष्यों को हासिल कर पाएं', यह सुनिश्चित करने में भारत की भूमिका व नेतृत्व बेहद अहम है।

'लाइफस्टाइल फॉर द एनवायरनमेंट (लाइफ) मूवमेंट' नाम की एक वैश्विक पहल के शुभारंभ के मौके पर गेट्स ने ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में कमी लाने के लिए नवीन तकनीकों और सभी की भागीदारी की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा, यह सुनिश्चित करने के लिए कि इन नवीन तकनीकों को व्यापक रूप से अपनाया जाता है, तो न केवल बड़े निवेश और निजी व सार्वजनिक क्षेत्रों के बीच भागीदारी की जरूरत होगी, बल्कि लोगों के सहयोग की भी आवश्यकता पड़ेगी।

व्यक्तिगत कार्रवाइयां सरकारों व व्यवसायों को इन नवाचारों में निवेश करने और हमें आवश्यक सफलताएं हासिल करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। इससे पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाइफ अभियान की शुरुआत की और कहा कि इसका मकसद लोगों को एक ऐसी जीवनशैली जीने के लिए प्रेरित करना है, जो हमारे ग्रह के अनुरूप हो और इसे नुकसान न पहुंचाए।

एक वीडियो संबोधन में उन्होंने कहा, जो लोग ऐसी जीवनशैली जीते हैं, वे ग्रह के हितौषी होते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि 'मिशन लाइफ' अतीत से सबक लेता है, वर्तमान में संचालित होता है और भविष्य पर ध्यान केंद्रित करता है। गेट्स ने जलवायु समर्थक व्यवहार को बढ़ावा देने की खातिर नागरिक कार्रवाई की वैश्विक पहल का नेतृत्व करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी को बधाई दी। उन्होंने कहा, 'हम साथ मिलकर एक हरित औद्योगिक क्रांति की शुरुआत कर सकते हैं।

कार्यक्रम में कई अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।

'नज थ्योरी' के लेखक प्रोफेसर कैस सनस्टीन ने कहा कि भारत और प्रधानमंत्री मोदी पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन के खिलाफ कार्रवाई और मानव व्यवहार के मामले में विश्व नेता रहे हैं और 'हममें से कई लोग प्रेरणा और विचारों के लिए भारत की तरफ देख रहे हैं।'

भारत ने निर्यात पर लगाई पाबंदी तो दुनिया में महंगा हुआ गेहूं-चावल

नई दिल्ली । रूस-यूक्रेन के बीच जंग को तीन महीने से अधिक का अंतराल हो गया है। वहीं मौसमी फैक्टर्स ने दुनिया के सामने में फूड क्राइसिस पैदा कर दिया है। सभी देश पहले अपनी जरूरतें पूरा करने पर ध्यान दे रहे हैं। भारत ने भी इसी कारण गेहूं समेत कुछ जरूरी चीजों के निर्यात पर पाबंदियां लगा दी हैं। हालांकि भारत के इस फैसले का ग्लोबल मार्केट में प्रतिकूल असर पड़ा है। निर्यात पर रोक लगाने के बाद गेहूं की वैश्विक कीमतें तेजी से बढ़ी हैं और रिकॉर्ड हाई लेवल के पास पहुंच गई हैं। संयुक्त राष्ट्र की फूड एजेंसी 'फूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गेनाइजेशन (एफएओ)' के अनुसार, यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद दोनों देशों में गेहूं का उत्पादन कम रहने की आशंका है। इस बीच भारत ने गेहूं के निर्यात पर रोक लगा दी है। इनके कारण मई में लगातार चौथे महीने गेहूं की कीमतें बढ़ी हैं। मई में गेहूं की वैश्विक कीमतें 5.6 फीसदी बढ़ी हैं और अभी पिछले साल मई की तुलना में यह 56.2 फीसदी ज्यादा है। मार्च 2008 के रिकॉर्ड लेवल से यह महज 11 फीसदी ही नीचे है। फूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गेनाइजेशन ने कहा, 'लड़ाई के चलते यूक्रेन में गेहूं का उत्पादन कम रहने की आशंका है। इसके साथ ही कई अव्वल निर्यातक देशों में खराब मौसम के चलते उत्पादन प्रभावित होने की आशंका भी है। इन सब के बीच भारत ने निर्यात पर रोक लगाने का ऐलान किया। इन फैक्टर्स से गेहूं की कीमतें लगातार बढ़ी हैं।' हालांकि एक अच्छी बात है कि मोटे अनाजों की वैश्विक कीमतें मई में कुछ कम हुई हैं। हालांकि मई में 2.1 फीसदी की नरमी के बाद भी इनकी कीमतें साल भर पहले से 18.1 फीसदी ज्यादा हैं। एफएओ ने कहा कि मई में ओवरऑल प्राइस इंडेक्स एक महीने पहले की तुलना में 0.6 फीसदी कम होकर 157.4 अंक पर आ गया है। हालांकि यह साल भर पहले यानी मई 2021 की तुलना में 22.8 फीसदी ज्यादा ही है। दूसरी ओर अनाजों का प्राइस इंडेक्स मई महीने में अप्रैल 2022 से 2.2 फीसदी और मई 2021 से 29.7 फीसदी बढ़कर 173.4 अंक पर रहा है। इससे पता चलता है कि खाने-पीने की चीजों की औसत कीमतें भले ही कम हुई हैं, लेकिन अनाजों के मामले में लोगों को राहत नहीं मिली है।

शास्त्री ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 के लिए अक्षर को शामिल किया

कुलदीप और कार्तिक को नहीं मिली जगह

मुबई (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 9 जून को होने वाले टी20 सीरीज के पहले मैच के लिए अपनी टीम बनायी है। शास्त्री की इस टीम में अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक व चाइनामैन स्पिनर कुलदीप यादव को शामिल नहीं किया है। वहीं स्पिनर अक्षर पटेल और रुतुराज गायकवाड़ जैसे खिलाड़ियों को शामिल किया है।

शास्त्री ने अपनी अंतिम ग्यारह में 'फिनिशर' के लिए अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज कार्तिक और कुलदीप को अंतिम ग्यारह खिलाड़ियों में जगह नहीं दी है। शास्त्री टीम इंडिया में कार्तिक की वापसी के पक्ष में है पर भारतीय टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और टीम प्रबंधन ट युवा प्रतिभाओं को अवसर देना चाहते हैं , ऐसे में कार्तिक के लिए अंतिम ग्यारह में जगह बनाना आसान नहीं होगा।

शास्त्री ने कहा, 'टीम में पहले से ही विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर ऋषभ पंत हैं। वह टीम में चार या पांच नंबर पर बल्लेबाजी कर सकते हैं। अनुभवी खिलाड़ी धोनी के संन्यास के बाद अब टीम को अच्छे फिनिशर की जरुरत है जिसके लिए अभी अधिक विकल्प नहीं हैं। ऐसे में ऋषभ का टीम में स्थान पक्का है। इसके अलावा शास्त्री ने कुलदीप यादव को भी अपनी अंतिम ग्यारह से बाहर रखा है। उन्होंने टीम में पांच बल्लेबाजों का चयन किया है। इसके अलावा निचले क्रम में बल्लेबाजी को गहराई देने के लिए अक्षर को भी अवसर दिया गया है। अक्षर ने आईपीएल 2022 में दिल्ली कैपिटल्स की ओर से अच्छा प्रदर्शन किया था। शास?त्री की पहले टी20 मैच के लिए अंतिम ग्यारह इस प्रकार है।

लोकेश राहुल (कप्तान), रुतुराज गायकवाड़, इशान किशन, श्रेयस अय्यर, ऋषभ पंत, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, भुवनेश्वर कुमार, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह , उमरान मलिक और हर्षल पटेल।

विश्व कप में जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय महिला हॉकी टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सविता ने कहा है कि उनकी टीम एक जुलाई से नीदरलैंड और स्पेन में होने वाले विश्व कप हॉकी में जीत के इरादे से उतरेगी। विश्वकप में भारत को पूल बी में इंग्लैंड, चीन और न्यूजीलैंड के साथ रखा गया है। इससे पहले हालांकि भारतीय टीम को बेल्जियम, अर्जेंटीना, नीदरलैंड जैसी टीमों के खिलाफ भी एफआईएच प्रो लीग में भी खेलना है।

सविता ने कहा, विश्व कप में भी वहीं टीमें हैं जो ओलंपिक में थी। ओलंपिक की कमी हम विश्व कप में पूरी करने का प्रयास करेंगे और हमारी नजरें अगले ओलंपिक पर लगी है। हम चौथे स्थान से संतोष नहीं करने वाले हैं, हमें ओलंपिक पदक जीतना ही है। यूरोपीय टीमें तो एक दूसरे के खिलाफ खेलती रहती है लेकिन हमें अभी मौका मिला है और हम इसका लाभ उठाएंगे। ओलंपिक के बाद से ही भारतीय टीम में काफी बदलाव आया है और उसने कम कमियों को दूर किया है जो टोक्यो में हुई थीं। तब भारतीय टीम चौथे स्थान पर रही थी और उसके हाथ से कांस्य निकल गया था।

रोनाल्डो के दो गोल से पुर्तगाल ने नेशंस लीग में स्विट्जरलैंड को हराया

रोनाल्डो के गोलों की संख्या रिकार्ड 117 पर पहुंची

लिस्बन (एजेंसी)।

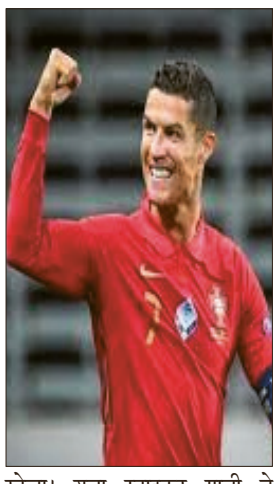

पुर्तगाल के स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने नेशंस लीग में फुटबॉल टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन कर हुए अपनी टीम को स्विट्जरलैंड पर 4-0 से जीत दिलायी। इस मैच में रोनाल्डो ने दो गोल किये। इससे उनके गोलों की संख्या रिकार्ड 117 पर पहुंच गयी। रोनाल्डो ने पहले हाफ में ही ये दो गोल (35वें और 39वें मिनट) में किये। इस मैच में पुर्तगाल की टीम हावी रही। उसके लिए रोनाल्डो के अलावा विलियम कार्वाल्हो ने (15वें मिनट) और जाओ कैंसेलो ने (68वें मिनट) में दो अन्य गोल किये। इसी के साथ ही उनके गोलों की संख्या 117 पहुंच गयी है।

वहीं लीग बी में नॉर्वे ने एर्लिंग हैलांड के दो गोल की सहायता से स्वीडन को 2-1 से हराया। स्वीडन की ओर से एकमात्र गोल दूसरे हाफ के इंजरी टाइम के दूसरे ही मिनट में एंथोनी इलांगा ने किया। स्ट्राइकर हैलांड के अब 19 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 18 गोल हो गये हैं। लीग ए में स्पेन ने चेक गणराज्य से 2-2 से ड्रॉ खेला। युवा स्ट्राइकर गावी ने अपने आठवें अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में स्पेन की ओर से पहले गोल किया। टीम के लिए दूसरा गोल इनिगो मार्टिनेज ने किया। चेक गणराज्य को पहले याकुब पेसेक (चार मिनट) और फिर जॉन कुचता (66वें मिनट) ने बढ़त दिलाई पर स्पेन ने दोनों बार बराबरी हासिल कर ली। स्पेन से 1-1 से ड्रॉ खेलने वाली पुर्तगाल की टीम अब ग्रुप दो में चार अंक के साथ शीर्ष पर है। वहीं लीग बी के एक अन्य मैच में सर्बिया ने स्लोवेनिया को 4-1 से हराया।

बोलात तुरलिखानोव कप में पहलवान बजरंग को कांस्य , अमन ने जीता स्वर्ण

अलमाटी (एजेंसी)।

भारत के ओलंपिक पदक विजेता पहलवान बजरंग पूनिया ने 65 किग्रा वर्ग में यहां बोलात तुरलिखानोव कप में कांस्य पदक हासिल किया है। वहीं भारत के ही अमन ने 57 किग्रा भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीता है। बजरंग अपने मुकाबले के दौरान रक्षात्मक रणनीति अपनाने के कारण शुरुआती मुकाबले में उज्बेकिस्तान के अब्बोस राखमोनोव के खिलाफ संघर्ष करते दिखे और अंत में उन्हें 3-5 से हार झेलनी पड़ी।

इसके बाद कांस्य पद के प्लेऑफ में अच्छा प्रदर्शन कर उन्होंने कजाकिस्तान के रिफत साइबोतालोव के खिलाफ अंक हासिल कर 7-0 से मुकाबला जीता। बजरंग ने साइबोतालोव पर दायें पैर से हमला किया और फिर जवाबी हमला कर 2 अंक बटोरे। बजरंग इस मुकाबले में अपने 'मूवमेंट' को लेकर काफी तेज थे जिसमें रक्षात्मकता और आक्रामकता का सही मिश्रण रहा। इससे पहले राखमोनोव के खिलाफ रक्षात्मक होने के कारण उन्हें हार का सामना करना पड़ा था।

बजरंग को अपने प्रतिद्वंद्वी के दो बार 'फाउल प्ले' के कारण दो अंक मिले। वहीं भारत के ही अमन ने 57 किग्रा वर्ग में अपने प्रदर्शन से सबको प्रभावित किया है। उन्होंने शुरुआती मुकाबले में मेराम्बेक कार्टबे के खिलाफ 15-12 से जीत के साथ ही शुरूआत की और फिर अब्दीमलिक कराचोव के खिलाफ तकनीकी आधार पर जीत हासिल की। अपने अंतिम मुकाबले में अमन ने कजाखस्तान के मेरे बाजारबाएव को 10-9 से हराया। इससे वह पांच पहलवानों के वर्ग के किसी भी मुकाबले में नहीं हारे और स्वर्ण पदक हासिल किया।

यह अमन का इस सत्र का तीसरा पदक है। इससे पहले उन्होंने डान कोलोव में रजत और

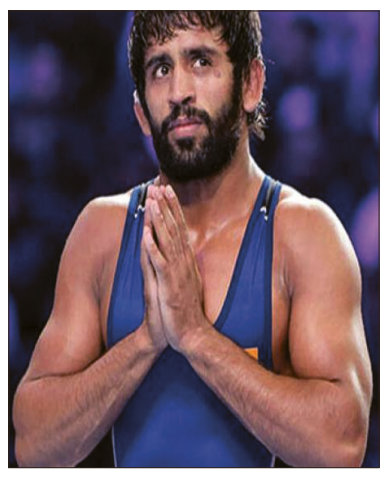

यासार डोगू में कांस्य पदक जीता था। भारत के ही विशाल कालीरमना 70 किग्रा और नवीन 74 किग्रा कांस्य पदक के मुकाबले से बाहर हो गये।

मेसी ने मैत्री फुटबॉल मैच में पांच गोल दागे

पेंपलोना । अर्जेंटीन के कप्तान लियोनल मेसी ने यहां एक मैत्री फुटबॉल मैच में एस्टोनिया के खिलाफ पांच गोल दाग दिये। इससे उनकी टीम को जहां 5-0 की जीत मिली है। वहीं मेसी भी एक खास क्लब में शामिल हो गये हैं। मेसी अब अंतरराष्ट्रीय पुरुष फुटबॉल मुकाबलों में सबसे अधिक गोल करने वालों की सूची में चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। मेसी ने पहले हाफ में पेनल्टी किक पर गोल करने के साथ ही दो गोल किये और फिर दूसरे हाफ में तीन और गोल दाग दिये। इससे उनके अंतरराष्ट्रीय गोलों की संख्या अब 86 तक पहुंच गयी है। इसी के कारण ही मेसी ने हंगरी के पूर्व खिलाड़ी फ्रेनेक पुस्कास को पीछे छोड़ा, फ्रेनेक के नाम 84 गोल दर्ज हैं। गौरतलब है कि पुर्तगाल के स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो 117 गोल के साथ ही अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में सबसे अधिक गोल करने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने रविवार को नेशन्स लीग में स्विट्जरलैंड के खिलाफ अपनी टीम की 4-0 की जीत में भी दो गोल कर अहम भूमिका निभाई थी। उनके बाद ईरान के अली देई 109 और मलेशिया के मुख्तार दहारी 89 का नंबर है।

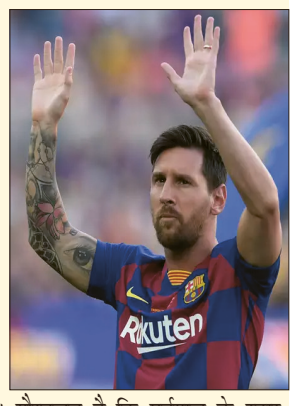

वकार नहीं बुमराह, भुवनेश्वर को मानता हूं अपने आदर्श: उमरान

नई दिल्ली (एजेंसी)।

आईपीएल में शानदार प्रदर्शन कर सबकी नजरों में आये युवा तेज गेंदबाज उमरान मलिक ने कहा है कि वह जसप्रीत बुमराह , भुवनेश्वर कुमार सहित अन्य भारतीय गेंदबाजों को अपना आदर्श मानते हैं। साथ ही कहा कि वह पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वकार यूनुस को फॉलो नहीं करते। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने उमरान की रफ्तार और गेंदबाजी देखकर उनकी तुलना वकार से की थी। अब इस पर उमरान ने कहा है कि वह भारतीय गेंदबाजों को ही अपना आदर्श मानते हैं। उमरान ने कहा, 'मैंने यूनुस को फोलो नहीं किया है। मेरा पास अपना एक स्वभाविक एक्शन है। मेरे आदर्श तो बुमराह, शमी और भुवनेश्वर हैं। मैं उनको फोलो किया करता था जब खेलता था, जब उनको साथ रहा तो भी उनसे काफी कुछ सीखने की कोशिश की।÷

अब वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 5 टी20 मैच की सीरीज में अच्छा प्रदर्शन करना चाहते हैं। इस युवा तेज गेंदबाज ने कहा कि मेरा लक्ष्य होगा कि इन सभी मुकाबलों में अच्छा प्रदर्शन करूं और अपने बल पर मुकाबलों में टीम इंडिया को जीत दिलाउं।

टी20 सीरीज के लिए श्रीलंकाई टीम की गेंदबाजी को बेहतर बना रहे मलिंगा

कोलंबो । श्रीलंकाई क्रिकेट टीम आजकल 7 जून से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की टी30 सीरीज की तैयारियों में लगी है। तीन मैचों की इस सीरीज का पहला मैच राजधानी कोलंबो में खेला जाएगा। इस सीरीज में टीम की गेंदबाजी को बेहतर बनाने में पूर्व तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा लगे हुए हैं। मलिंगा को गेंदबाजी स्ट्रेटजी कोच की जिम्मेदारी दी गयी है। ऑस्ट्रेलियाई टीम अपने इस दौरे पर टी20, एकदिवसीय और टेस्ट तीनों ही प्रारुपों में खेलेगी। इस सीरीज से श्रीलंका के युवा तेज गेंदबाज मथिशा पथिराना को पदार्पण का अवसर मिल सकता है। . पथिराना मलिंगा की तरह ही गेंदबाजी करते हैं और श्रीलंकाई क्रिकेट को इस गेंदबाज से बेहद उम्मीदें हैं। इसी कारण है पथिराना को निखारने का काम स्वयं मलिंगा देख रहे हैं। मलिंगा के अनुभवों से इस युवा खिलाड़ी को अच्छा लाभ मिलने की उम्मीदें हैं।

ऑस्ट्रेलिया के दौरे से श्रीलंका को मिलेगी वित्तीय मदद

कोलंबो (एजेंसी)।

श्रीलंका में आर्थिक संकट के बीच ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के छह सप्ताह के दौरे का सकारात्मक असर हो सकता है। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने सोमवार को कहा कि तीन टी-20 अंतरराष्ट्रीय, पांच एकदिवसीय और दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के टिकटों से होने वाली आय को जनकल्याणकारी कार्यों के लिए दान किया जायेगा। एसएलसी सचिव मोहन डी सिल्वा ने कोलंबो में संवाददाताओं से कहा, ये हमारे लोगों के लिए कठिन समय है।

हम वास्तव में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और ऑस्ट्रेलियाई सरकार के आभारी हैं कि एक राष्ट्र के रूप में कठिनाइयों का सामना करने के बावजूद वे इस श्रृंखला का समर्थन कर रहे हैं। श्रीलंका 1948 में स्वतंत्र होने के बाद सबसे बुरे आर्थिक दौर से गुजर रहा है।

श्रृंखला का आगाज मंगलवार यहाँ के आर प्रेमदासा स्टेडियम में टी20 मैच से होगा। कोरोना महामारी के शुरू होने के बाद पहली बार स्टेडियम की क्षमता के मुताबिक दर्शकों के आने की मंजूरी होगी। मंगलवार और बुधवार को खेले जाने वाले शुरुआती दो टी20 मैच के टिकट शनिवार को महज पांच घंटे के अंदर बिक गये। ऑस्ट्रेलिया ने पहले मुकाबले के लिए मजबूत एकादश की घोषणा की है जिसमें मध्यक्रम में जोश इंगलिश पर अनुभवी स्टीव स्मिथ को तरजीह दी गयी है। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान आरोन फिंच ने कहा, पिछले कुछ वर्षों से श्रीलंका के खिलाफ हमने करीबी मुकाबले खेले हैं। वे अच्छी टीम है और उनके पास कुछ मैच विजेता खिलाड़ी हैं।

उन्होंने कहा, वानिंदु हसरंगा जैसे गेंदबाज ने दिखाया कि वे सपाट पिचों पर भी प्रभावी हो सकते है। श्रीलंका के कप्तान दासुन शनाका ने उम्मीद जतायी कि उनकी टीम को घरेलू परिस्थितियों में खेलने का फायदा मिलेगा।

उन्होंने कहा, हमने ऑस्ट्रेलिया को उनके घर में इस साल की शुरुआत में कड़ी टक्कर दी थी। हमें विश्वास है कि हम अपनी परिस्थितियों में अच्छा करेंगे। हमारे पास शानदार गेंदबाजी इकाई है लेकिन बल्लेबाजों को अच्छा करना होगा।

वेल्स ने यूक्रेन को हराकर 64 साल बार विश्व कप में जगह बनाई

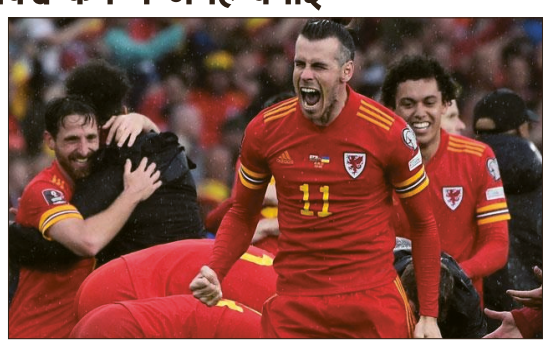

कार्डिफ । वेल्स ने आंद्रेई यारमोलेंको के आत्मघाती गोल से रविवार को यहां यूक्रेन को 1-0 से हराकर 64 साल बाद फुटबॉल विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया। एक समय दुनिया के सबसे महंगे फुटबॉलरों में शामिल रहे वेल्स के कप्तान गैरेथ बेल कमर में जकड़न के बावजूद मैदान पर उतरे और 34वें मिनट में उनकी फ्री किक को रोकने के प्रयास में यारमोलेंको ने हैडर से गेंद को अपने ही गोल में डाल दिया। स्वदेश में रूस के हमले का सामना कर रही यूक्रेन की टीम को इस तरह निराशा का सामना करना पड़ा। फीफा के दो विश्व कप में क्वालीफाई करने के बीच यह किसी टीम के लिए सबसे बड़ा अंतर है।

फ्रेंच ओपन 2022 में ऐसा रहा खिलाड़ियों का प्रदर्शन, उम्रदराज नडाल ने किया सबसे ज्यादा प्रभावित

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

फ्रेंच ओपन में राफेल नडाल ने सबसे ज्यादा प्रभावित किया। 36 वर्ष के नडाल ने 14वीं बार लाल बजरी पर और 22वें ग्रैंडस्लैम खिताब पर कब्जा कर लिया है। नडाल ने फाइनल में कैस्पर रूड को सीधे सेटों से हराया। जिसके बाद क्रिकेट के दिग्गजों से लेकर फुटबॉल के महारथियों तक ने नडाल को ऐतिहासिक जीत की बधाई दी।

गॉड ऑफ क्रिकेट सचिन तेंदुलकर ने कहा कि वहां जाना और 36 साल की उम्र में रिकॉर्ड 14वां एट द रेट रोलैंड गैरोस और 22वां ग्रैंड स्लैम जीतना एक अविश्वसनीय उपलब्धि है। बधाई हो राफेल नडाल! ये तो सिर्फ सचिन तेंदुलकर की बधाई है लेकिन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर पर नडाल को बधाईयां देने का मानो सैलाब सा आ गया हो। हर कोई इस असधारण जीत के लिए उन्हें बधाई दे रहा है।

अब बात कर लेते हैं फ्रेंच ओपन के बाकी के फाइनल मुकाबलों की...

महिला एकल

विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज इगा स्वियातेक ने फ्रेंच ओपन टेनिस ग्रैंडस्लैम के महिला एकल के एकतरफा फाइनल में 18 साल की कोको गॉफ को शिकस्त देकर दूसरी बार इस खिताब को अपने नाम किया। स्वियातेक ने 2020 में रोलां गैरां ट्रॉफी हासिल की थी। उन्होंने लाल मिट्टी वाले कोट पर अपना दबदबा कायम करते हुए अमेरिका की 18वीं वरीयता प्राप्त गॉफ को 6-1, 6-3 से हराया। पोलैंड की स्वियातेक की यह लगातार 35वीं जीत है। टेनिस में मेजर एकल खिताब जीतने वाली अपनी देश की इस इकलौती खिलाड़ी ने इसके साथ ही इस सदी में लगातार सबसे ज्यादा मैच जीतने के मामले में वीनस विलियम्स के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। वह पिछले छह टूर्नामेंटों में विजेता बनकर उभरी है और इस सत्र में उनके जीत-हार का रिकॉर्ड 42-3 है।

मिश्रित युगल

इना शिबहारा और वेस्ले कूलहोफ की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी ने यूलरिके एकेरी और जोरान व्लीजेन की जोड़ी को हराकर फ्रेंच ओपन टेनिस ग्रैंडस्लैम का मिश्रित युगल खिताब अपने नाम किया। शिबहारा और कूलहोफ ने कोर्ट फिलिप चाट्रियर में मिश्रित युगल फाइनल में इकेरी और व्लीजेन की जोड़ी को 7-6, 6-2 से पराजित किया। कैलिफोर्निया की शिबहारा जापान के लिये खेलती हैं और कूलहोफ नीदरलैंडके हैं। इस जोड़ी का यह पहला ग्रैंडस्लैम खिताब है।

पुरुष युगल

मार्सेलो अरेवालो और जीन जूलियन रोजर की जोड़ी ने फ्रेंच ओपन टेनिस ग्रैंडस्लैम का पुरुष युगल खिताब अपने नाम कर लिया। मार्सेलो अरेवालो और जीन जूनियन रोजर ने सेमीफाइनल में भारत के रोहन बोपन्ना और नीदरलैंड के मात्वे मिडेलकूप को हराया था। इससे पहले रोहन बोपन्ना ने पहली और आखिरी बार 2010 में पाकिस्तान के ऐसाम उल हम कुरैशी के साथ ग्रैंडस्लैम पुरुष युगल फाइनल में जगह बनाई थी लेकिन इस बार फाइनल में खेलते-खेलते रह गए।

महिला युगल

फ्रांस की कैरोलिन गार्सिया और क्रिस्टिना म्लादेनोविच की जोड़ी ने कोको गॉफ और जेसिका पेगुला की अमेरिकी जोड़ी को हराकर फ्रेंच ओपन टेनिस ग्रैंडस्लैम महिला युगल खिताब अपने नाम किया। कैरोलिन और क्रिस्टिना की यह रोलां गैरां पर दूसरी महिला युगल चैम्पियनशिप है। इस जोड़ी ने 2016 में भी यहां खिताब जीता था। कैरोलिन और क्रिस्टिना की जोड़ी ने एकल वर्ग की उप विजेता गॉफ और पेगुला की जोड़ी से फाइनल में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 2-6, 6-3, 6-2 से जीत दर्ज की।

18 वर्षीय गॉफ महिला एकल फाइनल में इगा स्वियातेक से हार गयी थीं। गॉफ और पेगुला पहली बार एक साथ मेजर युगल स्पर्धा में खेल रही थीं। वहीं क्रिस्टिना की यह छठी ग्रैंडस्लैम महिला युगल ट्राफी है जिसमें से वह चार टिमिया बाबोस के साथ जीती हैं।

नॉर्वे शतरंज: कार्लसन को हराकर शीर्ष पर पहुंचे आनंद

नई दिल्ली। भारत के शीर्ष शतरंज खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में शीर्ष पर पहुंच गये हैं। आनंद ने स्थानीय खिलाड़ी और विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन को हराकर नंबर एक स्थान हासिल किया। आनंद ने क्लासिकल सेक्शन के 5वें दौर में आर्मेगडन (सडन डेथ गेम) में जीत दर्ज कर मुकाबला अपने नाम किया। इससे पहले दोनों खिलाड़ियों के बीच खेला गया नियमित मैच 40 मूव्स के साथ ड्रॉ रहा। सडन डेथ गेम के दौरान आनंद ने आक्रामक अंदाज में 50 मूव्स में ही कार्लसन को हरा दिया। अब आनंद के जहां 10 अंक हो गये हैं। वहीं कार्लसन के पास कुल 9.5 अंक ही हैं और वह इस टूर्नामेंट में अभी दूसरे स्थान पर बना हुआ है। इस टूर्नामेंट में अभी 4 दौर का खेल होना है। अब तक आनंद ने इस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए वैंग हाओ , मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव और वेसलिन टोपालव जैसे दिग्गज खिलाड़ियों को भी हराया था। इसके अलावा ब्लिट्ज वर्ग में मैग्नस कार्लसन को हराया था।

अडानी और जीएमआर समूह ने खरीदीं खो-खो टीमें

नई दिल्ली । अब घरेलू खेल खो-खो लीग का भी कायाकल्प होने जा रहा है। देश के सबसे बड़े कारपोरेट घरानों अडानी और जीएमआर समूह ने अल्टीमेट खो-खो लीग की गुजरात और तेलंगाना फ्रेंचाइजी खरीदी हैं। इस लीग की शुरुआत इसी साल होगी। अडानी और जीएमआर के इस कदम से इस घरेलू खेल को बढ़ावा मिलेगा। फ्रेंचाइजी आधारित इस खो-खो लीग को डाबर समूह के चेयरमैन अमित बर्मन भारतीय खो-खो महासंघ (केकेएफआई) के साथ प्रमोट कर रहे हैं। जीएमआर समूह ने दक्षिण भारत में खो-खो की लोकप्रियता का लाभ उठाने के लिए ही तेलंगाना की टीम को खरीदा है। इसके साथ ही अल्टीमेट खो-खो का सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया (एसपीएनआई) और इसके ओटीटी प्लेटफॉर्म सोनी लिव पर भी सीधा प्रसारण किया जाएगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

साड़ी की है बात निराली

छह गज का बिना सिला कपड़ा बुनकरों और डिजाइनरों के लिए एक कैनवास की तरह होता है। साड़ी केवल एक परिधान नहीं है, बल्कि यह एक पूरा ताना-बाना है। यानी एक ऐसा धागा जो अनेक सपनों का साक्षी है। जो हमारी सांस्कृतिक धरोहर है। सदियों से अपने रूप, डिजाइन और कढ़ाई के लिए प्रसिद्ध साड़ी के स्वरूप में भी आज के समय में परिवर्तन आ गया है। बदलती जीवनशैली और आधुनिकता ने अन्य चीजों की तरह इसके स्वरूप पर भी असर डाला है। भारी-भरकम कांजीवरम और बनारसी की जगह हल्की डिजाइनर साड़ियों ने ले ली है। पहले हर समारोह में जहां जरी के काम वाली भारी साड़ी पहनना अनिवार्य ही नहीं शुभ भी माना जाता था, वहीं आज दादी-नानी की उस धरोहर ने अपनी जगह अलग एक संदूक में बना ली है तो दूसरी ओर सिंथेटिक साड़ियां अलमारियों में पहुंच गई हैं। यहां तक कि कल की महिलाएं जो अपनी कांजीवरम की साड़ियों में अपनी खूबसूरती को निहारती थी, अब वे भी सिक्केस वर्क की जार्जेट, शिफॉन साड़ी पहनने लगी हैं। एक जमाना था जब हर स्त्री के पास कांजीवरम्, बनारसी, जामावार और पैठनी की साड़ियां अवश्य हुआ करती थीं। आज ब्लाउज के फैशन में जो बदलाव आया है, उसने साड़ी को वेस्टर्न टच में बदलने को उकसाया है। सबसे ज्यादा बदलाव कढ़ाई व डिजाइन में आया है। पहले भारी कढ़ाई की साड़ियों पर ज्यादातर जरी का काम किया जाता था पर अब जरी की जगह सिक्केस, क्रिस्टल व बीड्स ने ले ली है। यही वजह है कि आज साड़ियां पांच सौ से लेकर डेढ़ लाख रुपए तक में उपलब्ध हैं।

कांफिडेंस और लुक

आप जब घर से निकलती हैं, तो क्या अपने लुक को लेकर काफी कांसस रहती हैं। ऐसे में आप चाहें तो अपने ड्रेसकोड में थोड़ा सा परिवर्तन कर अपने दोस्तों में कांफिडेंस के साथ इंज्वाय कर सकती हैं। आप अपने ड्रेस डिजाइन को परिवर्तित कर अपने को आकर्षक और ग्लैमरस बना सकती हैं। इसके लिए आपको वेस्टन ड्रेस का भी सहारा लेने की कोई जरूरत नहीं है, आप भारतीय ड्रेस से ही अपने को आकर्षक बना सकती हैं। इसके लिए आप इंडियन आर्ट, अच्छे कट्स और फिटिंग वाले कपड़े का सहारा ले सकती हैं। इसके अलावा आप ब्राइट फ्रेश टोन अजमा सकती हैं। इसके साथ ही आप अपने कपड़ों को नये लुक के अलावा इनके रंगों पर भी ध्यान दें, जिनमें आप ब्लैक, ग्रे, व्हाइट के साथ थोड़ा-सा सिल्वर कलर का यूज करें तो बेहतर होगा। ये कभी फैशन सर्किट से बाहर नहीं होते। यदि आप डेनिम जींस पहनने की शौकीन हैं, तो इसे नीचे से थोड़ा मोड़ दें। साथ में ऐसे जूते पहनें, जो सभी तरह के मौसम के लिए उपयुक्त हों।

प्रैग्नेंसी में रखें खुद का ख्याल

प्रैग्नेंसी में नन्हें मेहमान के आने की जितनी ज्यादा खुशी होती हैं, उससे भी ज्यादा इस बात का फिक्र सताता है कि आने वाला बच्चा हैल्दी हो। इस लिए मां का खास ख्याल रखा जाता है क्योंकि उसी से बच्चे को पूरा पोषण मिलता है।

अगर मां में ही पोषक तत्वों की कमी होगी तो भविष्य में इसका असर बच्चे पर भी पड़ेगा। कैल्शियम, आयरन, विटामिन, खनिज पदार्थ, फाइबर, पोटाशियम आदि से भरपूर आहारों का सेवन गर्भावस्था में बहुत जरूरी है। इसी से बच्चे का शारीरिक और मानसिक विकास होगा और बीमारियों से भी उसका बचाव रहेगा। शरीर में इस समय हॉर्मोंस का परिवर्तन होने से मां का मूड बदलना स्वभाविक है। इससे उसे बहुत सी परेशानियों से भी गुजरना पड़ता है। ऐसे में प्रेग्नेंसी का समय एंज्वाय करने के लिए कुछ बातों का खास ख्याल रखना बहुत जरूरी है।

ऐसे करें स्किन केयर

गर्भावस्था में पेट और स्तन का आकार बढ़ने से स्किन पर खिंचाव के निशान पड़ जाते हैं। जिससे स्किन पर धारियां और गहरे भूरे रंग की लकीरे पड़ने का डर रहता है। इसके लिए अपनी मर्जी से दवाइयों खाने की गलती न करें। खास तरीकों से ही अपनी स्किन की केयर करें।

- प्रेग्नेंसी में त्वचा खुष्क होने लगती है इसलिए नहाने से पहले सरसो या फिर जैतून के तेल से शरीर की मसाज करें। मसाज हमेशा हल्के हाथों से करें। इससे त्वचा में नमी बरकरार रहेगी और त्वचा पर पड़े दाग-धब्बे भी दूर हो जाएंगे।
- पर्याप्त मात्रा में पानी का सेवन करना बहुत जरूरी है। इससे स्किन और सेहत दोनों अच्छी रहेंगी
- स्ट्रेच मॉस्क पर दवाइयां लगाने की बजाए नारियल का तेल लगाएं। इससे किसी तरह की एलर्जी भी नहीं होगी और दाग के निशान भी गायब हो जाएंगे।

कपड़े पहने स्टाइलिश

गर्भावस्था के समय मां जितना खुश रहेगी बच्चा भी उतना ही हैल्दी रहेगा। गर्भवती महिला का स्मार्ट बनकर रहना बहुत जरूरी होता है। ड्रैसिंग स्टाइल भी आपकी खुशी को व्यक्त करने का काम करता है। इस समय टाइट कपड़े पहनने से परहेज करें। इससे बच्चे की ग्रोथ होने में आसानी होगी।

- स्टाइलिश मैक्सी ड्रैस पहनने में आरामदायक होती हैं।
- डार्क रंग के कपड़ें इस समय मन को खुशी देते हैं।
- फ्लोरल या फिर कॉर्टून प्रिंट के आउटफिट्स बहुत अच्छे लगते हैं।

सेहत के रखें ख्याल

संतुलित आहार खाना इस समय बहुत महत्वपूर्ण होता है। फल, सब्जियां, दूध, सूप आदि समय-समय खाना बहुत जरूरी है। एक बार खाने की बजाए 2-3 घंटे में कुछ न कुछ खाना चाहिए।

- रोटी,ब्रेड,चावल,साबुत अनाज को अपनी डाइट का हिस्सा बनाएं। इन चीजों से आपको प्रोटीन मिलता है। इस समय प्रोटीन का सेवन बहुत जरूरी होता है।
- दूध,पनीर,अंडे,छाछ को भी आहार में शामिल करें। दूध से एलर्जी है तो छोले, राजमा, जई, बादाम, सोया दूध और सोयाबीन पनीर का भी खा सकते हैं।
- फलों का जूस पीने से साथ-साथ फल चबाकर खाने से ज्यादा फायदा मिलता है। यह शरीर में ऊर्जा का स्तर बनाए रख सकते हैं।

काम को आसान बना देंगे ये स्मार्ट ट्रिक्स

हाउस वाइफ ही नहीं बल्कि वर्किंग वुमन्स का भी किचन के साथ गहरा रिश्ता होता है। वैसे तो गृहणीयां खाना बनाने से लेकर किचन में हर में माहिर होती है लेकिन इसके बावजूद भी कई बार उन्हें काम करते समय कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ता है, जिसके कारण काम में देरी हो जाती है। किचन से जुड़ी छोटी-मोटी बातों के बारे में हर औरत को पता होना चाहिए, ताकि वो अपने काम को और भी आसान बना सके। आज हम आपको ऐसे ही कुछ टिप्स बताने जा रहें है, जिनकी मदद से आप अपने काम को और भी आसान बना सकते है। ये शानदार किचन ट्रिक्स आपका काम आसान करने के साथ-साथ खाने का स्वाद भी बढ़ जाएगा।

- बादाम या टमाटर छिलने के लिए पहले उन्हें 5-10 मिनट तक पानी में उबाले। इससे इनके छिलके आसानी से निकल जाएंगे।
- प्याज को काटने और लहसुन को छिलने से पहले उसे 10 मिनट के लिए पानी में भिगो दें। इससे प्याज काटते समय आंसू नहीं आएंगे और लहसुन के छिलके भी आराम से उतर जाएंगे।
- सूखे मेवे या ड्राईफ्रूट्स को काटने से पहले 1 घंटे के लिए फ्रिज में रख दें। इससे यह सॉफ्ट हो जाएंगे और आप इन्हें आसानी से काट सकेंगी।
- मशरूम को कभी भी पानी से न धाएं। क्योंकि यह पानी को सोख लेते है और कपाते समय पानी छोड़ देते है, जिससे सब्जी का टेस्ट खराब हो जाता है। इसकी बजाए आप मशरूम को गीले कपड़े से साफ करें।
- अगर आप पनीर बना रही है तो उसमें थोड़ा-सा ऑयल लगा दें। इससे यह बर्तन के साथ चिपकेंगे नहीं।
- शहद की शुद्धता पता लगाने के लिए उसकी कुछ बूंदें कांच की बोतल या गिलास में डालें। अगर शहद तले पर बैठ जाए तो शुद्ध है और अगर वो पानी में मिक्स हो जाए तो मिलावटी है।
- अगर आप बिरयानी या कोई ग्रेवी वाली डिश बना रही है तो उसमें दही डालने से पहले अच्छी तरह फेंट लें। इससे खाने का स्वाद बढ़ जाएगा। इसके अलावा सब्जियां उबालने के बाद इसके पानी को दाल बनाने में इस्तेमाल करें। इससे दाल का स्वाद दोगुना हो जाएगा।
- चावल पकाने से पहले उससे अच्छी तरह से धो लें। इससे चावल में मौजूद स्टार्च निकाल जाएगा और चावल पकने के बाद चिपचिपा नहीं होगा। इसके अलावा चावल की खीर बनाते समय बर्तन में पहले थोड़ा-सा पानी डाल दें। इससे दूध बर्तन के तले पर नहीं चिपकेगा।
- फलों को काटने के बाद उसके उपर अच्छी तरह से नींबू छिड़ककर फ्रिज में स्टोर करें। इससे फल पूरा दिन ताजे रहेंगे और इनका रंग भी खराब नहीं होगा।

लड़के अगर कुछ फैक्टर्स के बल पर लड़कियों को पसंद करते हैं, तो इस मामले में लड़कियां भी कोई कम नहीं हैं। लड़कों को पसंद करने के उनके अपने कायदे हैं और वे खुद से बेटर पोजिशन वाले को जल्दी पसंद कर लेती हैं। इसके लिए वे कुछ ऐसी बातों तक को इग्नोर कर देती हैं, जिनसे समझौता आमतौर पर मुश्किल होता है।

....अब तो बदल जाओ

कालांतर से वर्तमान तक मानों आरोप-प्रत्यारोप ही इसकी जीवनी हो। सबने इसके आचरण पर दाग लगाए, यहां तो एक सामान्य स्त्री क्या सीता को भी नहीं बख्शा गया। वाह रे दुनिया! इसकी नियति में क्या है, यह एक प्रश्न ही रहेगा? इसने सबको इज्जत दिया, सम्मान दिया और बदले में इसे मिला क्या सिर्फ और सिर्फ बदनामी, अपमान, द्वेष, ईर्ष्या। आखिर ऐसा इसी के साथ ही क्यों? अपवाद को छोड़ दिया जाए, तो असल जिंदगी में लोग बेस्ट हाफ बनाना तो चाहते हैं पर बनना नहीं चाहते। चाहे लव मैरिज हो या अरेंज मैरिज। अरेंज मैरिज में लड़की अपने ससुराल वालों की शर्तों पर जिंदगी गुजारती होती है। बहू पढ़ी-लिखी और नौकरी वाली चाहिए, पर जिंदगी वह जीए ससुराल वालों के मुताबिक।

लड़का चाहिए खुद से सुपीरियर

मशहूर दार्शनिक फ्रायड ने कहा था कि उन्हें इस बात का जवाब कभी नहीं मिला कि एक औरत अपनी जिंदगी से क्या चाहती है। कुछ ऐसी ही उधेड़बुन से आपको आज की ज्यादातर महिलाएं भी जूझती दिख जाएंगी। बेशक, इस कन्फ्यूजन के केंद्र में शादी और उससे जुड़े सवाल ही अहम रहते हैं। ऐसे में यह सोचना कि महिलाएं फाइनैंशियल तौर पर पुरुषों पर निर्भर नहीं होना चाहतीं, पूरी तरह से सच नहीं है। आज की महिलाएं भी बेहतर कैरियर से ज्यादा खुशहाल परिवार का सपना देखती हैं। हालांकि, इस बात को खुले तौर पर मानने में उन्हें थोड़ी हिचक होती है। जी हां, तमाम स्टडी से यह बात साबित हुई है। अक्सर देखा भी गया है कि लड़कियां बॉयफ्रेंड को शादी के लिए मना कर देती हैं। उनका कहना होता है कि वे अपने कैरियर में आगे बढ़ना चाहती हैं और अभी सेटल होने के बारे में नहीं सोच रही हैं। लेकिन, हायर डिग्री वाले या फिर हाई इनकम वाले वेल-सेटल्ड लड़के के साथ उनका रवैया ऐसा नहीं रहता। ऐसे पुरुष के साथ शादी के प्रपोजल को वे झट मान जाती हैं। इसी तरह की एक रिसर्च से जुड़ीं लंदन स्कूल ऑफ इकॉनमिक्स की रिसर्चर कैथरिन हाकिम बताती हैं, 'दुनिया भर में विमिन इम्पॉवरमेंट की बातें लगभग 40 साल से चल रही हैं। ऐसे में बस हाउसवाइफ बनने की बात को महिलाएं स्वीकार नहीं पातीं। अगर यह बात उनके मन में होगी, तो भी वे दकियानूसी कहलाए जाने के डर से यह बात नहीं कहेंगी। हालांकि, हमारे आसपास ऐसी तमाम महिलाएं हैं, जो फाइनैंशल मैटर्स के लिए अपने पार्टनर पर डिपेंड रहना चाहती हैं।' गौर करने वाली बात यह है कि उम्र ज्यादा होने पर भी महिलाएं ऐसे साथी के सपने संजोए रहती हैं, जो हर लिहाज से उनसे आगे हो। रिसर्च के दौरान देखा गया कि कई यूरोपियन देशों की उम्रदराज महिलाएं भी शादी के लिए तभी तैयार हुईं, जब उन्हें अपने से ज्यादा धनवान और पढ़े-लिखे पुरुष मिले। ब्रिटेन में लगभग 50 साल पहले हुई एक रिसर्च में 20 फीसदी महिलाएं अपने से ज्यादा पढ़े-लिखे पुरुष से शादी करना चाहती थीं, वहीं पिछले दशक में ये आंकड़े 38 फीसदी तक पहुंच चुके हैं। यही पैटर्न पूरे यूरोप, यूएस और ऑस्ट्रेलिया में भी नोट किया गया। जाहिर है, तेजी से वेस्टर्न कल्चर में ढल रहीं इंडियन मेट्रोज की महिलाएं भी इस राह पर हैं।

सोच का रहता है असर

हालांकि इस रिसर्च को लेकर महिलाओं की राय अलग-अलग है। जहां, कुछ इससे सहमत नजर आती हैं, वहीं कुछ को इसमें दम नजर नहीं आता। एक एचआर फर्म में बतौर हेड काम कर चुकीं श्रुति सिंह कहती हैं। 'मैंने लव मैरिज की और हाल में अपनी जॉब से रिजाइन दिया है। दरअसल, मेरे पति को पांच साल के लिए लंदन की एक आईटी कंपनी में जॉब मिली है और मैं उनके साथ जाना चाहती हूं। मेरा फैसला इमोशंस और जिम्मेदारी से लिया गया है। इसमें उनके पैकेज की बात कहीं नहीं है। फिर वहां जाने पर भी मैं पढ़ाई या जॉब कर सकती हूं।' वैसे, बैंक प्रोफेशनल निहारिका जोशी ऐसे मैच को बेस्ट ऑप्शन मानती हैं। उनका कहना है, 'जिंदगी में घर और ऑफिस की दुधारी तलवार पर लटकने से क्या मिलेगा? आपको घर की जिम्मेदारी तो निभानी ही होगी, तो अच्छा है कि ज्यादा पैकेज वाले पुरुष से शादी की जाए। इस तरह न तो बॉस की धौंस सहनी पड़ेगी और एक स्टैंडर्ड के घर का आराम भी मिलेगा।' इस बात का एक और पहलू मीडिया प्रोफेशनल गौरी कपूर सामने रखती हैं। वह कहती हैं, 'हर सफल पुरुष ऐसी बीवी चाहता है, जो अपने लेवल पर सफल हो। इसलिए महिलाओं से जुड़ी इस रिसर्च में मुझे खास दम नहीं लग रहा है।' गुड़गांव की एक फूड बेवरेज फर्म में काम करने वाले गौरव कपूर की बात से यंग जेनरेशन की अप्रोच एकदम क्लीयर हो जाती है। बकौल गौरव, 'मैंने अपनी गर्लफ्रेंड से साफ कह दिया है कि जब तक मैं सीनियर मैनेजर की पोस्ट पर नहीं आ जाता, सेटल होने का सवाल ही नहीं उठता है। इससे उसे भी कोई ऐतराज नहीं है, क्योंकि उसकी फैमिली को भी तो ऊंची पोस्ट का दामाद पसंद आएगा।' उनका कहना है कि हाई सोसाइटी की तमाम महिलाएं अपने पार्टनर के एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर तक को इसी वजह से इग्नोर कर देती हैं।

अगर आप भी अभी नया-नया रिश्ता बना रहे है...

जब कोई लड़का या लड़की नए-नए रिलेशन में पड़ते है तो वह हर वक्त एक-दूसरे से बातें करने का बहाना ढूंढते रहते है। हर वक्त मैसेज के जरिए एक-दूसरे से बातें करने लगते है लेकिन नए रिश्ते में लड़की को अधिक मैसेज करने से आपका बना हुआ रिश्ता टूट भी सकता है क्योंकि कोई भी लड़की शुरूआत में अपनी लाइफ में किसी दूसरे की दखलअंदाजी पसंद नहीं करती। इसलिए ऐसे में लड़कों को थोड़ा सावधानी बरत कर लड़की को मैसेज करने चाहिए।

अधिक मैसेज न करें

पहली डेट के बाद लड़की के साथ बातचीत बढ़ाना अच्छी बात है लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि उसके बार-बार मैसेज करके टंग करते रहे। अधिक मैसेज करने से भी रिश्ता जुड़ने से पहले ही टूट सकता है। इसलिए मैसेज करने पहले इस बात का खास ध्यान रखें।

देर रात मैसेज न करें

दिन के समय मैसेज करके थोड़ी-बहुत बात करना तो ठीक है लेकिन देर रात तक लड़की को कभी मैसेज न करें। इससे लड़की नाराज भी हो सकती है और आपसे दूरिया भी बना सकती है।

शराब पीने के बाद

नया रिश्ता जोड़ रहे है तो कोई भी गलती करने से पहले दस बार जरूर सोचें। इसके अलावा अगर आप ड्रिंक भी करते है तो शराब पीने के बाद लड़की को कभी मैसेज न करें क्योंकि ड्रिंक करने के बाद कोई भी अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख पाता और कोई न कोई गलती कर बैठता है।

क्रोधित होने भी न करें मैसेज

कहते है कि गुस्सा बहुत बुरी चीज है। गुस्सा आने पर इंसान कोई होश नहीं रहता है कि वह किसे क्या बोल रहा है। इसलिए बेहतर होगा कि जब आप गुस्से में हो तो किसी लड़की को मैसेज न करें। क्योंकि उस वक्त आपको खुद नहीं पता होता है कि आप क्या बोल रहे है।

मैसेज में सवाल-जवाब कम करें

पहली डेट के साथ अगर लड़की के साथ मैसेज पर बात कर भी रहे है तो उसके साथ ज्यादा सवाल न करें क्योंकि इससे उसे गुस्सा भी आ सकता है और वह आपसे चिड़ भी सकती है।

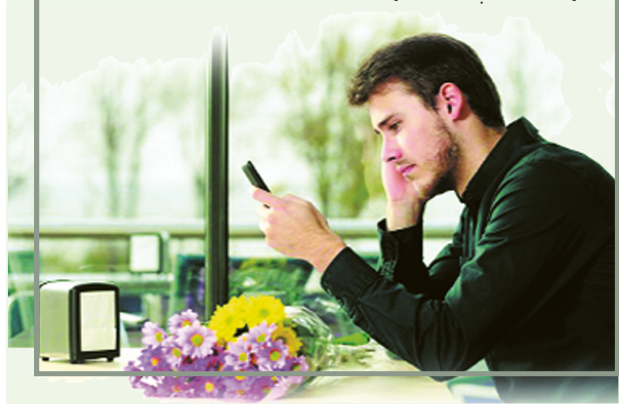

सार समाचार

चीन को मिल रही कोरोना वायरस से राहत, बीजिंग में मामलों की कमी के बाद रेस्तरां फिर से खोले गये

बीजिंग। कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में कमी आने के बाद अधिकारियों ने महामारी संबंधित पाबंदियों में कुछ और ढील दी तथा लगभग एक महीने के बाद चीन की राजधानी बीजिंग में ज्यादातर रेस्तरां फिर से खुल गये। संग्रहालय, सिनेमा और जिम को 75 प्रतिशत क्षमता तक संचालित करने की अनुमति दी गई है और अब लोगों के घरों तक सामान को पहुंचाया जा सकता है। स्कूलों को पहले आंशिक रूप से खोला गया था लेकिन अब 13 जून से स्कूलों का संचालन पूरी क्षमता के साथ किया जा सकता है। अधिकारियों को संक्रमण के मामले बढ़ने के बाद इमारतों और परिसरों को बंद करना पड़ा था और शहर में छह सप्ताह के दौरान संक्रमण के लगभग 1,800 मामले सामने आये थे। रविवार को नये मामलों की संख्या घटकर छह रह गई है। शंघाई शहर में महामारी के कारण लगभग दो महीने तक पाबंदियां लागू रही। शहर में पिछले सप्ताह कुछ पाबंदियां हटाई गई थी लेकिन रेस्तरां बंद रहे। बीजिंग और शंघाई दोनों शहरों में, मेट्रो या कार्यालयों, शॉपिंग मॉल या अन्य सार्वजनिक स्थानों में प्रवेश करने से पहले लोगों को पिछले 72 घंटों में कोविड के लिए कराई गई नेगेटिव जांच रिपोर्ट दिखानी होगी।

नाइजीरिया के गिरजाघर पर हमला, 50 लोगों के मारे जाने की आशंका

अबूजा। दक्षिण पश्चिम नाइजीरिया के एक कैथोलिक गिरजाघर में लोगों पर रविवार को हथियारबंद हमलावरों ने हमला कर दिया और विस्फोट भी किया, जिसमें कम से कम 50 लोगों के मारे जाने की आशंका है। एक जन प्रतिनिधि ने यह जानकारी दी। ओगुनमोलासुयी ओलुवोले ने कहा कि हमलावरों ने ऑन्दो राज्य के सेंट फ्रांसिस कैथोलिक गिरजाघर को निशाना बनाया। यह हमला तब किया गया जब श्रद्धालु ईसाइयों के त्योहार 'पेंटेकोस्ट संडे' के मौके पर वहां जमा हुए थे। ओलुवोले ने कहा कि मृतकों में कई बच्चे शामिल हैं। वह घटनास्थल और अस्पताल में भी गए, जहां घायलों का इलाज चल रहा है। अधिकारियों नेमौत के बारे में तत्काल कोई आंकड़ा जारी नहीं किया है। नाइजीरियाई संसद के निचले सदन के सदस्य टिमिलीन ने कहा कि कम से कम 50 लोग मारे गए हैं, हालांकि अन्य लोगों बताया है कि मृतकों की संख्या इससे ज्यादा है। नाइजीरिया का एक बड़ा हिस्सा इस्लामी चरमपंथ का सामना कर रहा है जबकि ऑन्दो को नाइजीरिया का सबसे शांत राज्य माना जाता है।

अमेरिका- कैलिफोर्निया में किसानों से जल अधिकार हासिल करने सांसदों ने प्रस्ताव किया पेश

सैकरामेंटो, अमेरिका । अमेरिका के कैलिफोर्निया प्रांत में सांसदों ने किसानों से जल अधिकार हासिल करने के लिए एक प्रस्ताव पेश किया है। कैलिफोर्निया में किसान नदियों तथा जल स्रोतों से कितना पानी ले सकते हैं, इस बात को लेकर दशकों से कानूनी लड़ाई जारी है। प्रस्ताव के अनुसार, सीनेट ह्यवरिष्ठ जल अधिकारह्ल हासिल करने के लिए 1.5 अरब डॉलर तक खर्च करेंगे। यह अधिकार किसानों को अपनी फसल उगाने के लिए राज्य की नदियों और जल स्रोतों से जितना आवश्यक हो, उतना पानी लेने की अनुमति देता है। अगर राज्य के अधिकारियों के पास ये अधिकार होंगे, तो वे मछलियों की विलुप्तप्राय प्रजातियों को बचाने के लिए नदियों में पानी छोड़ पाएंगे। कैलिफोर्निया पिछले दो दशकों से अधिक समय से सूखे की चपेट में है, जिस कारण राज्य की जल प्रणाली का अध्ययन किया जा रहा है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि बेहद शुष्क मौसम में जल की स्थिर आपूर्ति कैसे सुनिश्चित की जाए। इसमें एक अन्य प्रस्ताव भी शामिल है, जिसके तहत पानी बचाने के वास्ते कम फसल उगाने के लिए किसानों को पैसे दिए जाएंगे। आंकड़ों के अनुसार, राज्य के लगभग 98 प्रतिशत हिस्से में गंभीर सूखे की स्थिति है।

16 साल की लड़की ने सिंगर पर होटल में बलात्कार करने का लगाया आरोप, कोर्ट ने सुनाया फैसला

टोरंटो (कनाडा)। कनाडा के गायक जैकब हॉगर्ड को एक महिला का यौन उत्पीड़न करने के मामले में यहां की एक अदालत ने रविवार को दोषी करार दिया। हालांकि, एक किशोरी प्रशंसक का यौन उत्पीड़न करने के मामले में उन्हें बरी कर दिया गया। हॉगर्ड (37) नाबालिग प्रशंसक को गलत तरीके से छूने के मामले में भी दोषी नहीं पाए गए। घटना के समय किशोरी की उम्र 16 साल से कम थी। न्यायाधीश के फैसला सुनाने के बाद गायक ने अदालत में अपनी पत्नी को गले लगाया। अभियोजकों ने आरोप लगाया था कि हॉगर्ड ने अप्रैल 2016 में टोरंटो में हेडली शो के बाद किशोरी को गलत तरीके से छुआ था, जो तब 15 साल की थी। इसके बाद जब वह 16 साल की हुई तो हॉगर्ड ने टोरंटो में एक होटल के कमरे में उससे बलात्कार किया। उन्होंने आरोप लगाया था कि नवंबर 2016 में ओटावा की एक महिला से भी हॉगर्ड ने टोरंटो के एक होटल में बलात्कार किया था। दोनों महिलाओं ने बयान दिया था कि बलात्कार के बाद उनके शरीर पर कई घाव थे। उन्होंने हॉगर्ड पर उन्हें थप्पड़ मारने, उनके मुंह में थूकने और उनके लिए आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल करने का आरोप भी लगाया था।हॉगर्ड ने अदातल को बताया था कि किशोरी के 16 साल के होने के बाद उन्होंने उसकी सहमति से उसके साथ यौन संबंध बनाए थे और उसके 16 साल के होने तक उन्होंने उसे कभी गलत तरीके से नहीं छुआ। हॉगर्ड 2004 में ह्यकनाडा आइडलह्ल में तीसरे नंबर पर आने के बाद चर्चा में आए थे और इसके बाद ही उनके करियर ने उड़ान भरी।

गूगल की लापरवाही के कारण सियासत छोड़नी पड़ी नेताजी को, अब देना होगा 4 करोड़ का हजार्ना

केनबरा । गूगल को एक लापरवाही पर 4 करोड़ का भारी हजार्ना भरना पड़ेगा, दरअसल, एक विवादित वीडियो को हटाने में नाकाम रहने पर ऑस्ट्रेलियाई अदालत ने गूगल पर ही करीब 4 करोड़ का जुमार्ना लगा दिया। एक रिपोर्ट के मुताबिक, अदालत ने कहा कि यू-ट्यूब पर मानहानिकारक वीडियो को डिलीट नहीं करने पर पूर्व सांसद को समय से पहले राजनीति छोड़नी पड़ी। इसके लिए गूगल पूर्व सांसद को 715,000 ऑस्ट्रेलियन डॉलर (515,000 अमेरिकी डॉलर) का मुआवजा देगा। भारतीय रुपये में इसकी कीमत 3 करोड़ 99 लाख 95 हजार 183 रुपये है। संघीय अदालत ने पाया कि कंटेंट-शेयरिंग वेबसाइट यू-ट्यूब की मालिक अल्फाबेट इंक (गूगल.ओ) ने न्यू साउथ वेल्स के तत्कालीन डिप्टी प्रीमियर पर हमला करने वाले दो वीडियो प्रसारित करके पैसा कमाया। साल 2020 के अंत में पोस्ट किए जाने के बाद से ऑस्ट्रेलिया के सबसे अधिक आबादी वाले राज्य न्यू साउथ वेल्स में इसे लगभग 800,000 देखा गया है। जज स्टीव रेयर्स ने कहा कि राजनीतिक कमेंटटर जॉर्डन शैंक्स के वीडियो ने जॉन बारिलारो की गरिमा पर सवाल उठाया। उन्हें बिना ठोस सबूत के भ्रष्ट करार दिया गया। नस्लवादी टिप्पणी की गई। अभद्र भाषा का इस्तेमाल भी किया गया।

ब्रिटेन में महारानी एलिजाबेथ के प्लेटिनम जुबली समारोह में पहुंचे प्रिंस चार्ल्स व उनकी पत्नी डचेज ऑफ कार्नविल कैमिला सजावट को देखते हुए।

चीन वैज्ञानिकों के तैयार किए वैंपायर चूहे, दूसरों का खून चूसकर जिंदा रहेंगे

बीजिंग । विज्ञान चाहे तब क्या नहीं कर सकता? हर रोज वैज्ञानिक क्षेत्र में कुछ न कछ नई खोज और शोध हो रहे हैं। इसमें कुछ हमारी जिंदगी को सुविधाजनक बनाते हैं, तब कुछ हैं, जो प्राकृतिक चक्र में बाधा डालने वाले हैं। चीन में भी कुछ वैज्ञानिकों ने उम्र के साथ शरीर में आने वाले बदलाव को रोकने का ये बेहद अजीबोगरीब प्रयोग किया है। चीनी वैज्ञानिकों एक ऐसी तकनीक बनाई है, जिसमें उम्र को आगे बढ़ने के बजाय पीछे ले जाया जा सकेगा। इस तकनीक से जीवन लंबा होगा, लेकिन ये प्रयोग बेहद खतरनाक है। कुछ वैंपायर यानि खून चूसने वाले चूहों पर ये प्रयोग किया गया है। इन्हें लंबा जीवन देने के लिए इसका खून युवा चूहों से निश्चित वक्त पर बदला जाएगा।

रिपोर्ट के मुताबिक इस तकनीक को हेस्ट्रोक्रॉनिक पैराबायोसिस नाम दिया गया है। इसमें सर्जिसकल प्रॉसेस से चूहों के सकुर्लेटरी सिस्टम में बदलाव किया गया था। इस पर पिछले 10 साल से शोध हो जा रहा था कि आखिर कैसे नए खून के द्वारा जीव के जवान रखा जा सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक पुराना खून अंगों, टिश्यू और सेल्स को पुराना करते हैं। जवान खून इस प्रोसेस को कम कर देता है। रिसर्चर्स का कहना है कि वयस्क लोगों में स्टेम सेल्स लगातार खुद को नया करती रहती हैं। इससे उम्र से होने वाला नुकसान रिपेयर होता रहता है। शोधकर्ता ने बताया कि अब तक हुई स्टडी में फिर से जवां होने के फिनॉमिना पर बात होती थी, लेकिन इतने मैकेनिज्म के बारे में नहीं बताया जाता था। इस रिसर्च के द्वारा मैकेनिज्म पता किया गया है कि कैसे ये पॉसिबल होगा। उम्मीद है इस तरह की रिसर्च से इस तकनीक को आगे बढ़ाने का मौका मिलेगा।

पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ भाजपा नेता की विवादित टिप्पणी से मचा बवाल, सऊदी अरब ने की निंदा

दुबई। (एजेंसी)

कतर, ईरान और कुवैत के बाद अब सऊदी अरब ने भी पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की एक नेता की विवादित टिप्पणियों की सोमवार को आलोचना की और सभी से 'आस्थाओं एवं धर्मों का सम्मान' किए जाने का आह्वान किया। सऊदी अरब के विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी करके भाजपा प्रवक्ता की टिप्पणियों की निंदा की और कहा कि इनसे पैगंबर मोहम्मद का अपमान हुआ है। इस बीच, नयी दिल्ली में भाजपा ने पैगंबर मोहम्मद पर दिए गए विवादित बयानों के लिए अपनी राष्ट्रीय प्रवक्ता नूपुर शर्मा को रविवार को पार्टी से निर्लंबित कर दिया।

वहीं, दिल्ली इकाई के मीडिया प्रमुख नवीन कुमार जिंदल को पार्टी नेतृत्व ने भाजपा से निष्कासित करने का फैसला लिया। सऊदी अरब के विदेश मंत्रालय ने 'इस्लाम धर्म के प्रतीकों के खिलाफ पूर्वाग्रहों के प्रति अपनी अस्वीकृति' को दोहराया। उसने 'सभी पूजनीय लोगों एवं चिह्नों' के खिलाफ पूर्वाग्रह को बढ़ावा देने वाली हर चीज को खारिज किया। अपनी प्रवक्ता को निलंबित करने के भाजपा के कदम का स्वागत करते हुए मंत्रालय ने 'आस्थाओं एवं धर्मों के लिए सम्मान के आह्वान के सऊदी अरब के रुख' को दोहराया। इससे पहले, कतर, ईरान और कुवैत ने पैगंबर मोहम्मद

के बारे में भाजपा नेता की विवादित टिप्पणियों को लेकर रविवार को भारतीय राजदूतों को तलब किया था। खाड़ी क्षेत्र के महत्वपूर्ण देशों ने इन टिप्पणियों की निंदा करते हुए कड़ी आपत्ति दर्ज कराई थी।

कतर और कुवैत स्थित भारतीय दूतावास के प्रवक्ता ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, 'राजदूत ने बताया कि वे ट्वीट किसी भी तरह से भारत सरकार के विचारों को नहीं दर्शाते। ये संकीर्ण सोच वाले तत्वों के विचार हैं।' टिप्पणियों को लेकर मुस्लिम समुदाय के विरोध के बीच भाजपा ने एक तरह से दोनों नेताओं के बयानों से किनारा करते हुए कहा कि वह सभी धर्मों का सम्मान करती है और उसे किसी भी धर्म के पूजनीय लोगों का अपमान स्वीकार्य नहीं है। इन विवादित टिप्पणियों के कारण अरब देशों में ट्विटर पर भारतीय उत्पादों के बहिष्कार के लिए एक अभियान भी चलाया गया।

इमरान खान बोले- मुस्लिमों के खिलाफ नफरत फैला रही मोदी सरकार

इस्लामाबाद (एजेंसी)

पाकिस्तान ने इस्लाम के संस्थापक पैगंबर मोहम्मद साहब के विरुद्ध टिप्पणी को लेकर भारत के खिलाफ कड़ी आपत्ति दर्ज कराई है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि पैगंबर मोहम्मद का अपमान बर्दाश्त नहीं कर सकते। सभी मुस्लिम उनके लिए अपनी जान दे सकते हैं। वहीं पूर्व पीएम इमरान खान ने भी इस मामले पर भारत के खिलाफ जहर उगला। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने प्रभारी भारतीय राजदूत को तलब किया और इस मुद्दे पर अपनी नाराजगी जाहिर की। बीजेपी ने पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी के मामले में प्रवक्ता नूपुर शर्मा को सस्पेंड कर दिया है। इसके साथ दिल्ली बीजेपी के नेता नवीन कुमार जिंदल को पार्टी से निकाल दिया है। बीजेपी नेताओं के बयान को लेकर मुस्लिम देशों में भारत के खिलाफ विरोध देखने को मिला। कतर, कुवैत, ईरान और पाकिस्तान ने भारतीय राजदूत को तलब किया। पाकिस्तान ने भारत को कहा है कि इस तरह के बयान दुखद हैं और इसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान भारत पर निशाना साधने का कोई भी मौका नहीं छोड़ते हैं। जब इस्लामिक देश भारत का विरोध कर रहे हों ऐसे में भला इमरान कैसे चूक जाते। इमरान ने कथित अपमानजनक टिप्पणी को लेकर मोदी सरकार के खिलाफ जहर उगला है। इमरान ने ट्वीट किया, 'हमारे नबी के खिलाफ बीजेपी प्रवक्ता ने घृणित टिप्पणी की है जिसकी हम निंदा करते हैं। मोदी सरकार जानबूझकर भारत में मुस्लिमों के प्रति नफरत की नीति फैला रही है। उनके खिलाफ हिंसा भड़काई जा रही है।' इमरान खान यहीं नहीं रुके। एक अन्य ट्वीट ने इस्लामिक देशों के संगठन ओआईसी से मोदी सरकार पर एक्शन की मांग की है। उन्होंने ट्वीट किया, 'एक मुस्लिम जो अपने नबी से प्यार करता है उसके लिए उनके अपमान से बड़ा दर्द कुछ नहीं हो सकता। ओआईसी को मोदी के भारत पर कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए।'

अमेरिका ने यूक्रेन को लंबी दूरी की मिसाइलों की आपूर्ति शुरू की तो नए ठिकानों को निशाना बनाएगा रूस : पुतिन

लंदन (एजेंसी)

अमेरिका की ओर से यूक्रेन को लंबी दूरी तक मार करने वाले हथियारों की आपूर्ति से रूस आग-बबूला हो गया है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिका को सीधी चेतावनी देते हुए कहा यदि संयुक्त राज्य अमेरिका ने यूक्रेन को लंबी दूरी की मिसाइलों की आपूर्ति शुरू की तो रूस नए लक्ष्यों को निशाना बनाएगा। खास तौर पर उन ठिकानों को जो अब तक इस युद्ध में रूसी हमलों से अछूते हैं। हालांकि, पुतिन ने उन लक्ष्यों के नाम का उल्लेख नहीं किया, वह निशाना बनाने वाला है।

एक साक्षात्कार में पुतिन ने कहा यूक्रेन को पश्चिमी हथियारों की आपूर्ति सैन्य उपकरणों के नुकसान की भरपाई के लिए है। पुतिन ने यह भी दावा किया कि रूसी विमानों ने दर्जनों यूक्रेनी हथियारों को नष्ट किया है। मालूम हो कि यूक्रेन रूसी सेना को पीछे खदेड़ने और रूसी हथियारों के भंडार पर हमला करने के लिए एम270 और एम142 हिमार्स जैसे मल्टीपल राकेट लान्चर सिस्टम (एमएलआरएस) की मांग कर रहा है।

इस बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने आरोप लगाया है कि रूसी सेना की तोपों की गोलाबारी में 17 वीं सदी का यूक्रेन का आथोर्डाक्स मोनेस्ट्री नष्ट हो गया है और उसके साथ बना गिरजाघर भी आग लगने से बर्बाद हो गया है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने धर्मस्थल पर हमले से इन्कार किया है। रूस ने आरोप लगाया कि यूक्रेन की सेना पीछे हटते हुए चर्च और अन्य धर्मस्थलों को बर्बाद करती जा रही है जिससे उसे रूसी सेना को बदनाम करने का मौका मिले। इस बीच फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि राष्ट्रपति पुतिन ने यूक्रेन पर हमला करके ऐतिहासिक गलती की है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि पुतिन की इस गलती के लिए रूस को अपमानित नहीं किया जाना चाहिए।

इमरान खान के बाद अब बोरिस जॉनसन की कुर्सी खतरे में,

ब्रिटिश संसद में प्रधानमंत्री के खिलाफ पेश हो रहा है अविश्वास प्रस्ताव

लंदन। (एजेंसी)

हाल ही में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री रहे इमरान खान ने आविश्वास प्रस्ताव का सामना किया और अपनी कुर्सी गवां दी, अब ताजा रिपोर्ट के अनुसार ब्रिटिश प्रधान मंत्री बोरिस जॉनसन को भी विश्वास मत का सामना करना पड़ रहा है। ब्रिटिश की संसद में विवादों में घिरे ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के खिलाफ 'पाटीर्गेट' मामले में अविश्वास प्रस्ताव लेकर आये हैं। अब अपने पद को बचाने के लिए और अपनी पार्टी की सरकार बनाए रखने के लिए बोरिस जॉनसन को विश्वास मत साबित करना होगा। कंजरवेटिव पार्टी की एक समिति के अध्यक्ष ने इसकी घोषणा की।

'पाटीर्गेट' मामले से जुड़ी नयी जानकारियों के सामने आने के कुछ दिन बाद यह कदम उठाया जा रहा है। ससंद के विपक्ष में बैठने वाली पार्टी के नेता ने बोरिस जॉनसन पर निशाना साधते हुए कहा कि बोरिस जॉनसन ने पार्टी और मतदाताओं के साथ धोखा किया है। वह कई रूढ़िवादी सांसदों में से एक हैं, जिन्होंने इस बात पर चिंता व्यक्त की है कि क्या 57 वर्षीय जॉनसन ने ब्रिटेन पर शासन करने का अधिकार

खो दिया है। ब्रिटिश इस समय मंदी, बढ़ती कीमतों और राजधानी लंदन में हड़ताल से प्रभावित यात्रा अराजकता के जोखिम का सामना कर रहा है।

'पाटीर्गेट' मामले क्या है?

स्कॉटलैंड यार्ड जांच के बाद जारी रिपोर्ट में कहा गया था कि कोरोना वायरस के प्रसार को नियंत्रित करने के लिए 2020-2021 में लगाए लॉकडाउन के दौरान सरकारी कार्यालयों के भीतर दलों ने नियमों का उल्लंघन किया। जॉनसन और उनकी पत्नी कैरी पर जून 2020 में डाउनिंग स्ट्रीट के कैबिनेट कक्ष में लॉकडाउन नियमों का उल्लंघन करते हुए जन्मदिन की पार्टी आयोजित करने के लिए जुमार्ना भी लगाया गया था।

प्रशांत क्षेत्र में चीन का प्लान कैसे हुआ फेल? 10 देशों ने सुरक्षा समझौता करने से किया इनकार, अब ड्रैगन की नजर अफ्रीकी देशों पर

बीजिंग (एजेंसी)

दक्षिण चीन सागर और हिंद प्रशांत क्षेत्र में चीन अपनी नई प्लानिंग में लगा है। क्वॉड सम्मेलन के दौरान इंडो-पैसिफि क इकोनॉमिक फ्रेमवर्क (आईपीईएफ) पर समझौते के बाद चीन तिलमिला गया है। इसके बाद चीन ने अपनी कूटनीति को धार देना शुरू कर दिया। लेकिन चीन पैसिफिक देशों के साथ समझौता करने में पूरी तरह नाकाम रहा। अपनी दस देशी की यात्रा में चीनी विदेश मंत्री ने 8 पैसिफिक देशों के 17 राजनेताओं से मुलाकात की।

प्रशांत क्षेत्र में चीन की काफी लंबे समय से है निगाहें

प्रशांत द्वीप समूह पर चीन की काफी लंबे वक्त से निगाहें हैं। चीन साल 2006 से इस इलाके में अपने व्यापार, आर्थिक मदद, कूटनीतिक और व्यावसायिक गतिविधियों को लगातार बढ़ा रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार 2006 से 2017 के बीच चीन ने प्रशांत क्षेत्र के देशों को करीब 1.5 अरब डॉलर का अनुदान और कर्ज दे दिया था। प्रशांत क्षेत्र में दबदबा कायम करने का सीधा सा अर्थ है कि चीन के पास एक ऐसा इलाका होगा जो संयुक्त राष्ट्र जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर तय होने वाले मुद्दों में भी उसकी उपस्थिति को और अधिक मजबूत बना देगा।

चीन का प्लान हुआ फेल

प्रशांत महासागर क्षेत्र के 10 द्वीपीय देशों को साधने की चीन की कोशिशों को करारा झटका लगा है। चीन की तरफ से सोलोमन द्वीप के साथ सुरक्षा करार कर अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों की चुनौती बढ़ाने वाले चीन को 10 देशों के साथ करार की उम्मीद थी। चीन के विदेश मंत्री वांग यी यही उम्मीद लेकर मीटिंग के लिए फिजी पहुंचे थे, लेकिन किसी समझौते पर सहमति नहीं बन सकी। इस दौरान वांग यी ने द्वीपीय देशों से कहा कि वे चीन की महत्वाकांक्षाओं को लेकर किसी भी तरह का डर अपने मन में न रखें। ऑस्ट्रेलियाई मीडिया ग्रुप एबीसी न्यूज ने अपनी रिपोर्ट में कहा, 'चीन ने प्रशांत महासागर क्षेत्र के 10 द्वीपीय देशों के साथ करार करने की योजना बनाई थी, जो सफल नहीं हो सकी है।'

अब आगे क्या

चीन के कूटनीतिक प्रयास असफल हो गए। हालांकि वांग ने इस यात्रा के दौरान कई द्विपक्षीय समझौतों पर भी हस्ताक्षर किए हैं। प्रशांत देशों के साथ समझौते के रद होने के बाद चीन ने एक 'पोजीशन पेपर' जारी किया। इसमें बताया गया है कि वो अभी भी प्रशांत देशों के साथ 'अपनी रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

अफ्रीकी देशों की तरफ चीन के कदम

चीन ने अब उसने अमेरिका को घेरने के लिए अफ्रीका की तरफ रूख किया है। चीन के निशाने पर अब इक्वेटोरियल गिनि और नामीबिया जैसे दो अफ्रीकी देश हैं। दोनों ही देशों में अपना सैन्य बेस बनाने की कोशिश में चीन लगा है। चीन इक्वेटोरियल गिनि के शहर बाटा में सैन्य बेस बनाना चाहता है। यहां सैन्य बेस बनाकर चीन अमेरिका के पश्चिमी तट के करीब अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज

कराना चाहता है। चीन की यहां और मौजूदगी के एटलांटिक महासागर में अमेरिका की टेंशन बढ़ सकती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

बेटा की जगह बेटी पैदा हो गई तो पति ने अपनी पत्नी को बोल दिया 3 बार तलाक

इंदौर (मध्यप्रदेश)। इंदौर में 23 वर्षीय महिला को लगातार तीन बार 'तलाक' बोलकर उससे तुरंत वैवाहिक रिश्ता खत्म करने के आरोप में उसके शौहर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। एक पुलिस अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। खजराना पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि महिला ने प्राथमिकी दर्ज कराते हुए आरोप लगाया कि उसके शौहर अल्ताफ पटेल ने दोनों के बीच वैवाहिक रिश्ते को तुरंत खत्म करने की नीयत से उसे रविवार को 'तलाक, तलाक, तलाक बोला।' पुलिस अधिकारी ने आरोपों के हवाले से बताया कि महिला द्वारा बेटी को जन्म दिए जाने के कारण उसका शौहर उस पर न केवल बार-बार तंज कसता था, बल्कि उसके साथ गाली-गलौज कर उसे पीटता भी था। उन्होंने बताया कि पटेल के खिलाफ मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) अधिनियम 2019 और भारतीय दंड विधान के संबद्ध प्रावधानों के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मामले की विस्तृत जांच जारी है और आरोपी के खिलाफ कानूनी औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं। गौरतलब है कि मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) अधिनियम, 2019 एक साथ तीन बार तलाक बोलकर वैवाहिक संबंध खत्म करने की प्रथा पर रोक लगाता है। इस कानून में मुजरिम के लिए तीन साल तक के कारावास का प्रावधान है।

परिजनों से मिलने आज पंजाबी गायक मूसेवाला के गांव जा सकते हैं राहुल गांधी

नई दिल्ली। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी मंगलवार को दिवंगत पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला के गांव जाकर उनके परिवार से मुलाकात कर सकते हैं। पार्टी सूत्रों ने बताया राहुल गांधी मानसा जाकर कांग्रेस के दिवंगत नेता मूसेवाला के परिवार से मुलाकात कर सकते हैं। पंजाब के मानसा जिले में पिछले दिनों अज्ञात हमलावरों ने मशहूर पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की गोली मारकर हत्या कर दी थी। राज्य सरकार द्वारा मूसेवाला की सुरक्षा में कटौती किए जाने के बाद यह घटना हुई। इस हमले में मूसेवाला के एक चचेरे भाई और एक मित्र भी घायल हुए हैं, जो मूसेवाला के साथ जीप में ही यात्रा कर रहे थे। मूसेवाला उन 424 लोगों में थे, जिनकी सुरक्षा पंजाब पुलिस ने अस्थायी रूप से हटा दी या कम कर दी है। पंजाब पुलिस के मुताबिक, मूसेवाला की हत्या के पीछे लॉरेंस बिश्नोई गिरोह का हाथ है। गिरोह के सदस्य और कनाडा में रह रहे गोल्डी बराड़ ने इस हत्या की जिम्मेदारी ली है।

कुतुब मीनार परिसर: एएसआई के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर जल्द सुनवाई से इनकार

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट की अवकाश पीठ ने कुतुब मीनार परिसर में स्थित मस्जिद में नमाज अदा करने पर रोक लगाने के एएसआई के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर जल्द सुनवाई से इनकार कर दिया। बता दें कि बीते दिनों कुतुब मीनार परिसर में स्थित मस्जिद में नमाज पढ़े जाने पर रोक को हटाने के लिए एक वकील ने दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। कुतुब मीनार परिसर में मौजूद मस्जिद में नमाज पढ़ने पर रोक के एएसआई के फैसले को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी, जिसमें वकील की ओर से कहा गया कि यह वक्फ बोर्ड की संपत्ति है, यहां काफी वक्त से नमाज पढ़ी जा रही है। इसके बावजूद 15 मई को अचानक भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण यानी एएसआई ने नमाज पढ़ने पर रोक लगा दी। हालांकि, इस याचिका पर उस वक्त भी तुरंत सुनवाई करने से हाईकोर्ट ने साफ तौर पर इनकार कर दिया था। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा था कि हम सोमवार को सुनवाई के लिए याचिका को लिस्ट नहीं कर सकते। अगर आप गर्मी की छुट्टियों के दौरान सुनवाई चाहते हैं,तब रजिस्ट्रार के सामने अपनी बातें रखें। इसके बाद अवकाश पीठ के पास यह याचिका पहुंची थी, लेकिन कोर्ट ने इस पर भी जल्द सुनवाई करने से इनकार कर दिया। बता दें कि बीते दिनों कुतुब मीनार परिसर में हिंदू और जैन देवताओं की मूर्तियों की पुनः स्थापना करने की मांग के बीच दिल्ली वक्फ बोर्ड ने दावा किया है कि यहां कुतुब मीनार परिसर की मस्जिद में नमाज पहले से होती रही है, लेकिन भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने इस रुकवा दिया था। बोर्ड ने मस्जिद में नमाज की अनुमति देने की मांग की है। इससे पहले एएसआई ने दिल्ली की अदालत में उस याचिका का विरोध किया था, जिसमें हिंदू और जैन देवताओं की मूर्तियों की कुतुब मीनार परिसर में फिर से स्थापना की मांग की गई थी। एएसआई ने साफ शब्दों में कहा कि यह पूजा का स्थान नहीं है और स्मारक के मौजूदा दर्जे को बदला नहीं जा सकता।

दिल्ली के 10 हजार पार्कों को वर्ल्ड क्लास लेवल पर विकसित करने की तैयारी

इस मानसून सत्र में 35 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य

नई दिल्ली । दिल्ली के ग्रीन कवर एरिया को बढ़ाने के लिए केजरीवाल सरकार की ओर से कई बड़ी योजनाओं पर काम किया जा रहा है। आप सरकार की ओर से आने वाले दिनों में 10 हजार पार्कों को वर्ल्ड क्लास लेवल पर विकसित करने की योजना है। इन सभी को सरकार ने 'ग्रीन पार्क ग्रीन दिल्ली' की थीम पर विकसित करने की योजना बनाई है। आगामी मॉनसून सीजन में दिल्ली भर में 35 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य भी निर्धारित किया है। इस बीच दिल्ली में लगातार चलाए गए वृक्षारोपण अभियान के फलस्वरूप राजधानी का ग्रीन कवर एरिया आज बढ़कर 23 .06 फीसदी पहुंच गया है। साल 2013 में हरित क्षेत्र केवल 20 फीसदी था। दावा यह है कि शहरों के प्रति व्यक्ति फॉरेस्ट कवर के मामले में दिल्ली पूरे देश में नंबर वन हो गया है। दिल्ली पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया दिल्ली के 10,000 पार्कों को वर्ल्ड क्लास स्तर पर विकसित करने के लिए सरकार ने 'ग्रीन पार्क ग्रीन दिल्ली' की थीम पर महाअभियान की शुरूआत की हैं। दिल्ली में वायु और ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए जरूरी हैं कि सभी लोग 'रेड लाइट ऑन गाड़ी ऑफ' की पॉलिसी का पालन करें। इसके साथ-साथ दिल्ली के पर्यावरण को बेहतर बनाने के लिए सिंगल यूज प्लास्टिक को कम से कम उपयोग में लाए ताकि दिल्ली को सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त शहर बनाया जा सकें। दिल्ली सरकार की ओर से हरित उत्सव के चलते ग्रीन एक्शन प्लान लांच किया है। इस एक्शन प्लान के अंतर्गत सरकार इस साल 35 लाख पौधे लगाएगी। इस मेगा वृक्षारोपण अभियान की शुरूआत जुलाई महीने में वन विभाग की ओर से होगी। इसमें 19 विभागों की हरित एजेंसियां अपनी भागीदारी सुनिश्चित करेंगी।

सतत विकास तभी संभव है जब पर्यावरण को संरक्षित रखा जाए : मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने रविवार को कहा कि सतत विकास तभी संभव है, जब पर्यावरण को सुरक्षित और संरक्षित किया जाए। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके परएक समारोह को संबोधित करते हुये ठाकरे ने कहा कि जलवायु परिवर्तन प्राकृतिक आपदाओं का कारण बन रहा है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण की रक्षा और इसके संरक्षण के लिए एकजुट प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने कहा, 'विकास जरूरी है, लेकिन पर्यावरण के नुकसान की कीमत पर नहीं। पिछले कुछ वर्षों में कम दिनों में ज्यादा बारिश हुई है और भूस्खलन की घटनाएं भी बढ़ रही हैं।'

विजयवाड़ा में बोले जेपी नड्डा, हर कार्यकर्ता के घर पर लगना चाहिए भाजपा का झंडा, कमल के निशान के बिना हमारा अस्तित्व नहीं

विजयवाड़ा (एजेंसी)

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में शक्ति केंद्र प्रमुख सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि विजयवाड़ा वीर अर्जुन की तपस्या भूमि है। ये संस्कृति की राजधानी है और यहां पर तेलगू सबसे शुद्ध तरीके से उच्चारित की जाती है। आज मैं विजयवाड़ा आया हूं, मुझे लगता है कि यह धरती आयोजकों ने सही चुनी है। क्योंकि हम संगठन के माध्यम से विचारधारा की विजय हासिल करने के लिए आए हैं। हम सभी को राष्ट्र के विकास का वाहक बनना पड़ेगा। हमें राष्ट्र को मजबूत बनाने के लिए अपने आप को आहुत करना पड़ेगा। हमें सबका साथ हो, सबका विकास हो, सबका विश्वास मिले इसके लिए हमें सबका प्रयास करना पड़ेगा।

जेपी नड्डा ने कहा कि आप सब शक्ति केंद्र के प्रमुख हैं, मुझे बताया गया है कि 10 हजार से ज्यादा शक्ति केंद्र हैं और 6 हजार से अधिक शक्ति केंद्रों पर हमनें नियुक्तियां कर दी हैं। बचे हुए 4 हजार शक्ति केंद्रों पर भी आप अगले 2 महीनों में नियुक्तियां कर देंगे। सबसे पहला काम है कि हर शक्ति केंद्र पर 4 या 5 बूथ आते हैं। देश में 10.40 लाख बूथ हैं और यहां लगभग 46 हजार बूथ हैं। हमें उन सभी 46 हजार बूथों तक पहुंचना है। हमें हर बूथ पर बैठक लेनी है और उस बूथ की बैठक में हमें चर्चा करनी है कि वहां की समस्याएं क्या हैं। वहां पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना के माध्यम से किन गरीब लोगों को अन्न मिल रहा है, उससे उसके जीवन में क्या फर्क आया है।

जेपी नड्डा ने कहा कि हर कार्यकर्ता के घर पर भाजपा का झंडा लगना चाहिए। हमारा अस्तित्व बिना कमल के निशान के नहीं है। कमल है तो हम हैं, कमल है तो पार्टी है, कमल है तो विचारधारा है। घर घर जाकर जनसंपर्क करना है और जिस जिस घर जाएं वहां वहां स्टिकर लगाएं। जिससे पता चले कि भाजपा का कोई कार्यकर्ता यहां आया था। उस घर के सदस्यों से बात करनी है और उन्हें भाजपा से जुड़ने के लिए प्रेरित करना है। भाजपा एक ऐसी पार्टी है जिसके पास नेता है, नीति है, नियत है, कार्यक्रम है, कार्यकर्ता और वातावरण है। देश में बाकी सभी राजनीतिक दलों के पास अगर नेता है तो नियत नहीं है, नियत है तो नीति नहीं है, नीति है तो कार्यक्रम नहीं है और अगर कार्यक्रम है तो कार्यकर्ता नहीं है।

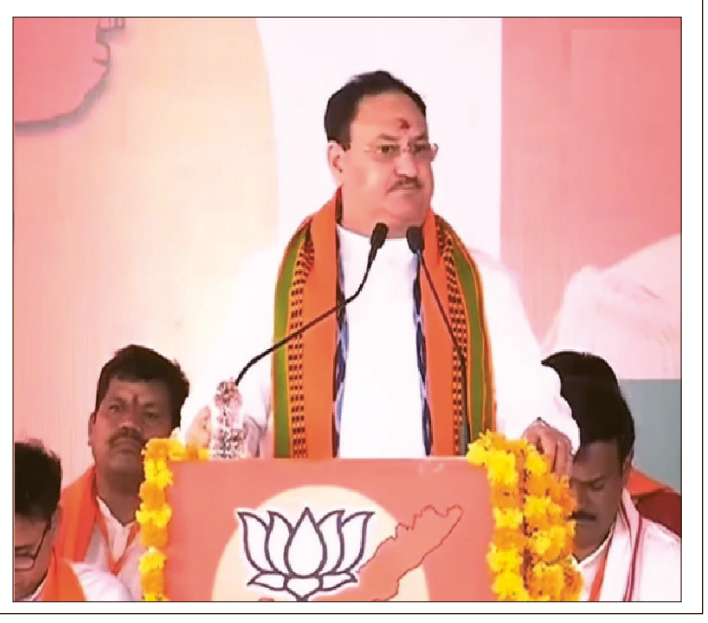

सत्तापक्ष व प्रतिपक्ष की विचारधाराओं में अंतर हो सकता हैं, मगर वैमनस्य नहीं होना चाहिए: राष्ट्रपति

लखनऊ। (एजेंसी)

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने उत्तर प्रदेश विधानमंडल के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए यहां सोमवार को कहा कि लोकतंत्र में सत्तापक्ष एवं प्रतिपक्ष की विचारधाराओं में अंतर हो सकता है, परंतु दोनों पक्षों में वैमनस्य नहीं होना चाहिए। कोविंद ने कहा कि प्रदेश की जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना ही सत्ता पक्ष और प्रतिपक्ष का कर्तव्य है। उन्होंने दोनों सदनों के सदस्यों से कहा, 'उत्तर प्रदेश विधानमंडल में सत्तापक्ष और प्रतिपक्ष के बीच गरिमापूर्ण सौहार्द का गौरवशाली इतिहास रहा है। हालांकि इस समृद्ध परंपरा के विपरीत कभी-कभार जो अमर्यादित घटनाएं हुई हैं, उन्हें अपवाद के रूप में भुलाने का प्रयास करते हुए आप सबको उत्तर प्रदेश की स्वस्थ राजनीतिक परंपरा को और मजबूत बनाना है। लोकतंत्र में सत्तापक्ष तथा प्रतिपक्ष की विचारधाराओं में अंतर हो सकता हैं, परंतु दोनों पक्षों में वैमनस्य नहीं होना चाहिए। कोविंद ने कहा, 'प्रदेश की जनता को आप सबसे बहुत सी उम्मीदें और अपेक्षायें हैं। उनकी अपेक्षाओं पर खरा उतरना ही आपका सबसे महत्वपूर्ण कर्तव्य हैं और आपकी जनसेवा के दायरे में सभी नागरिक

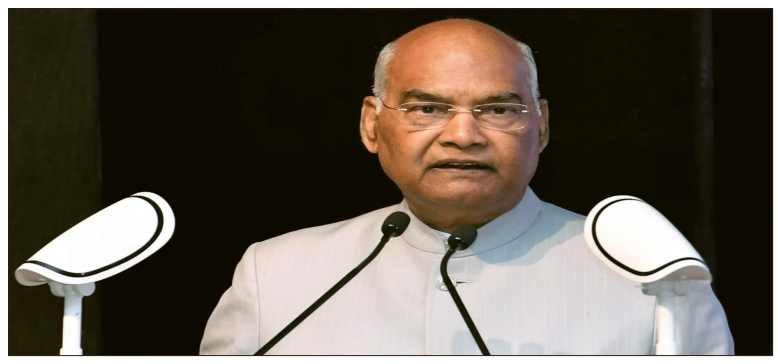

शामिल हैं, भले ही उन्होंने आपको वोट दिया हो या न दिया हो।' राष्ट्रपति ने कहा, 'मुझे पूरा विश्वास है कि आप सबके अथक परिश्रम से उत्तर प्रदेश शीघ्र ही हर तरह से उत्तम प्रदेश बनेगा' उन्होंने कहा कि जब देश का सबसे बड़ा राज्य प्रगति के उत्तम मानकों को हासिल करेगा, तो स्वतः ही पूरे देश के विकास को संबल प्राप्त होगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि आज से 25 वर्ष बाद, जब देशवासी आजादी की शताब्दी का उत्सव मना रहे होंगे, तब उत्तर प्रदेश विकास के मानकों पर भारत के अग्रणी राज्य के रूप में स्थापित हो चुका होगा और देश विश्व समुदाय में विकसित देशों की अग्रिम पंक्ति में खड़ा होगा। राष्ट्रपति ने कहा, 'मुझे बताया गया कि उत्तर प्रदेश विधानसभा में महिला सदस्यों की 47 है, जो सदस्यों की कुल संख्या यानी 403 का 12 प्रतिशत है। वहीं, विधान परिषद में कुल 100 सदस्यों में महिलाओं की संख्या सिर्फ पांच है, जिसे और बढ़ाए जाने की जरूरत है।' इस मौके पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, विधान परिषद के सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह, विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ औकर विधान सभा के नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव समेत सदन के सदस्य शामिल हुए।

दिल्ली प्रदेश इकाई ने राहुल गांधी को फिर कांग्रेस अध्यक्ष बनाने के लिए पारित किया प्रस्ताव

नई दिल्ली (एजेंसी)

दिल्ली कांग्रेस ने पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी को एक बार फिर अध्यक्ष बनाने को लेकर प्रस्ताव पारित किया है। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अनिल कुमार ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस ने सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित कर राहुल गांधी से पार्टी अध्यक्ष का पद संभालने का अनुरोध किया है। प्रदेश कांग्रेस ने रविवार को 'नव संकल्प शिविर' में यह प्रस्ताव पारित किया है।

दिल्ली पीसीसी के अध्यक्ष अनिल कुमार ने कहा कि प्रस्ताव में कहा गया है कि ऐसे वक्त में केवल राहुल गांधी जैसा नेता ही कांग्रेस को मजबूत और फिर से जीवंत कर सकता है, जिसे पार्टी के लिए चुनौतीपूर्ण समय कहा जा रहा है। वहीं दिल्ली में एक सीट पर होने वाले उपचुनाव पर उन्होंने कहा राजिंदर नगर उपचुनाव के लिए कांग्रेस उम्मीदवार प्रेमलता ने भी नव संकल्प शिविर में भाग लिया, और यह संकल्प लिया गया कि जमीनी स्तर से लेकर शीर्ष नेतृत्व तक के कांग्रेस कार्यकर्ता उनकी जीत सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय लोगों के पास जाएंगे और भाजपा और आम आदमी पार्टी के भ्रष्टाचार का पदार्फाश करेंगे।

अनिल चौधरी कहा यह देखकर खुशी हो रही है कि कई वरिष्ठ नेताओं ने स्वेच्छा से बूथ टेबल का प्रबंधन करने और कांग्रेस उम्मीदवार के लिए लोगों का समर्थन जुटाने के लिए काम किया है। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के इस दो दिवसीय चिंतन शिविर में दिल्ली कांग्रेस प्रभारी शक्तिसिंह गोहिल, पूर्व सांसद रमेश कुमार और उदित राज, दिल्ली के पूर्व मंत्री हारून यूसुफ, डॉ किरण वालिया और नरेंद्र नाथ सहित कई वरिष्ठ नेता इसमें शामिल हुए।

जेल में बंद महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक ने राज्यसभा चुनाव के लिए एक दिन की जमानत मांगी

मुंबई। धनशोधन के मामले में गिरफ्तारी के बाद जेल में बंद महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक ने राज्य की छह सीटों पर आगामी राज्यसभा चुनाव में वोट डालने को लेकर एक दिन की जमानत के लिए सोमवार को यहां एक विशेष अदालत का रुख किया। धनशोधन के आरोप में जेल में बंद महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख ने भी पिछले हफ्ते इसी तरह की अर्जी दी था। धनशोधन निवारण अधिनियम से संबंधित मामलों की सुनवाई के लिए नामित मुंबई की एक विशेष अदालत ने सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को दोनों अर्जियों (मलिक और देशमुख) पर अपना हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया और अगली सुनवाई के लिए आठ जून की तारीख तय की। राज्यसभा चुनाव 10 जून को होने हैं। ईडी ने मलिक को इस साल 23 फरवरी को भगोड़े गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम और उसके सहयोगियों की गतिविधियों से जुड़े धनशोधन की जांच के सिलसिले में गिरफ्तार किया था। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता ने अपनी अर्जी में 10 जून को एक दिन के लिए जमानत पर रिहा करने का अनुरोध किया था। मलिक ने अपनी याचिका में दावा किया कि वह एक निर्वाचित विधायक हैं और इसलिए राज्यसभा के लिए एक प्रतिनिधि का चुनाव करने में अपने निर्वाचन क्षेत्र के निवासियों का प्रतिनिधित्व करना उनका कर्तव्य है और वह उपरोक्त द्विवार्षिक चुनावों में अपना वोट डालने के लिए भी इच्छुक हैं। महाराष्ट्र विधानसभा में 288 सदस्य हैं। राकांपा के दो विधायक देशमुख और मलिक फिलहाल जेल में हैं।

देश के 10 राज्यों में बढ़े कोरोना के केस, पिछले हफ्ते की तुलना में सामने आए 45 फीसदी ज्यादा मामले

नई दिल्ली (एजेंसी)

देश में कोरोना की रफ्तार फिर तेज हो गई है। पिछले एक हफ्ते में देश में 25000 से ज्यादा मामले मिले हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि तीन महीने बाद एक हफ्ते में इतने केस मिले हैं। वहीं, पिछले हफ्ते की तुलना में इस बार 45 फीसदी केस बढ़ गए हैं। देश के 10 राज्यों में कोरोना के मामलों में इजाफा देखने को मिला है। सिर्फ केरल और महाराष्ट्र में 60 फीसदी केस मिले हैं।

इन सभी 10 राज्यों में पिछले 1 हफ्ते में केस तेजी से बढ़े हैं। भारत में 7 मार्च से 13 मार्च तक कोरोना के 25000 से ज्यादा केस मिले थे। वहीं, अब 30 मई से 5 जून तक 25000 से ज्यादा केस दर्ज किए गए हैं। इससे पहले हफ्ते में 17361 केस सामने आए हैं।

केरल में एक हफ्ते में 8000 केस मिले हैं। यह पिछले हफ्ते की तुलना में 65 फीसदी ज्यादा हैं। महाराष्ट्र में एक हफ्ते में 7253 नए केस दर्ज किए गए हैं। पिछले हफ्ते में 3142 केस मिले हैं। यहां रविवार को कोरोना के 1494 केस मिले हैं। ये 106 दिन बाद सबसे ज्यादा हैं। इससे पहले 19 फरवरी को इतने केस मिले थे। दिल्ली में लगातार कोरोना के केस कम हो रहे हैं। यहां पिछले एक हफ्ते में 2419 केस मिले हैं। जबकि इससे पहले एक हफ्ते में 2757 केस मिले थे।

कश्मीर जैसे संवेदनशील मुद्दे पर राजनैतिक रोटियां सेंक रहे हैं केजरीवाल: अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली (एजेंसी)

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने रविवार को आरोप लगाया कि कश्मीर के मुद्दे पर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल राजनीतिक रोटियां सेंक रहे हैं जबकि उनके मुंह से आतंकवादियों और अलगाववादियों के खिलाफ एक शब्द नहीं निकल रहा है।

ज्ञात हो कि केजरीवाल ने यहां एक रैली को संबोधित करते हुए दावा किया कि कश्मीर में लक्षित रूप से की जा रही हत्या की घटनाओं के कारण कश्मीरी पंडित घाटी छोड़कर जाने को मजबूर हो रहे हैं। केजरीवाल ने केंद्र से इस प्रकार की घटनाओं को रोकने के लिए कार्य योजना पेश करने की मांग की। उन्होंने कहा कि कश्मीरी पंडितों को अपने घर छोड़कर जाने के लिए 'मजबूर किया' जा रहा है। उन्होंने कहा कि 1990 के दशक में जो हुआ था, वही दोबारा हो रहा है। केजरीवाल पर पलटवार करते हुए ठाकुर ने एक बयान में कहा, 'अरविंद केजरीवाल को हर विषय पर सिर्फ. राजनीति करनी है। उन्हें विषयों की समझ नहीं है, देश की समझ नहीं है और गंभीर से गंभीर विषय भी उनके लिए राजनीति करने का अवसर है।' उन्होंने कहा कि ऐसे समय में जब पूरा देश भारत के अभिन्न अंग जम्मू कश्मीर के साथ कंधे से कंधा मिला कर खड़ा है और आतंकी घटनाओं की एक स्वर में निंदा कर रहा है, केजरीवाल के मुंह से आतंकियो व अलगाववादियों के लिए भर्त्सना का एक शब्द नहीं फूट रहा है। उन्होंने आरोप लगाया, 'जो सेना के शौर्य पर सवाल खड़ा करता हो, सत्ता के लिए खालिस्तनियों, देश विरोधी ताकतों से हाथ मिला लेता हो, वह भला आतंकियों की

निंदा किस मुंह से करेंगे।' केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि भाजपा ने जम्मू कश्मीर के लिए जितना इन आठ सालों में किया उतना देश की कोई भी सरकार आज तक नहीं कर पाई। हाल के दिनों में इस केंद्र शासित प्रदेश में हुई आतंकी घटनाओं को 'दुर्भाग्यपूर्ण' करार देते हुए ठाकुर ने दावा किया कि दोषियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा, 'बख्शे नहीं जाएंगे', जैसे पहले वालों का हुआ है, इनका भी समुचित इलाज किया जाएगा।

यूपी-दिल्ली-बिहार में भीषण लू का कहर, कई राज्यों में बारिश की चेतावनी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

देश के उत्तर-पश्चिम और मध्य हिस्से फिर से लू की चपेट में है। कई कस्बों और शहरों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच गया है। मौसम विभाग के मुताबिक राजस्थान, जम्मू, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, झारखंड, विदर्भ, उत्तर प्रदेश के दक्षिणी क्षेत्र और मध्य प्रदेश के उत्तरी क्षेत्र में अगले दो से तीन दिनों तक लू चलने की संभावना है। इस बीच मौसम विभाग ने जानकारी दी है कि देश के उत्तर पूर्वी हिस्सों में अगले 5 दिन तेज बारिश हो सकती है।

नॉर्थ ईस्ट इलाकों में बारिश होने के अलावा देश के अन्य हिस्सों में लोगों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ेगा। मौसम विभाग ने जानकारी दी है कि पूर्वी भारत के अधिकांश हिस्सों में अगले तीन दिनों में अधिकतम तापमान में करीब 2 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी होगी। इसके बाद इसमें कोई बदलाव नहीं होगा। आईएमडी ने कहा है कि देश के अन्य हिस्सों में अगले पांच दिन अधिकतम तापमान में कोई बदलाव नहीं दर्ज किया जाएगा।

राजस्थान गुजरात सहित मध्यप्रदेश में भी तापमान में वृद्धि देखने को मिलेगी। वही आसमान साफ रहेगा लोगों को सजग रहने की सलाह दी गई है, हालांकि 10 जून के बाद एक बार फिर से मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है। मौसम विभाग का अनुमान है कि सोमवार के दिन भी लोगों को झुलसाने वाली लू का सामना करना पड़ेगा। इसके लिए मौसम विभाग की ओर से लू का अलर्ट भी जारी किया गया है। मौसम विभाग का अनुमान है कि सोमवार के दिन 20 से 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार वाली हवाएं भी चलेंगी।

इसके चलते लोगों को ज्यादा भीषण लू के थपेड़ों का सामना करना पड़ेगा। हालांकि, मंगलवार को तापमान में दो डिग्री तक की गिरावट आने का अनुमान है। मौसम विभाग ने कहा उत्तर पश्चिमी भारत के अधिकांश हिस्सों में भी अगले 4 से 5 दिनों में अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं देखने को मिलेगा। मध्य भारत में अगले दो दिनों में अधिकतम तापमान में कोई बदलाव नहीं देखने को मिलेगा। उसके बाद इसमें दो से तीन डिग्री सेल्सियस की कमी दर्ज की जाएगी। वहीं राजस्थान, जम्मू, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, झारखंड, विदर्भ, उत्तर प्रदेश के दक्षिणी क्षेत्र और मध्य प्रदेश के उत्तरी क्षेत्र में अगले दो दिनों तक लू चलने की आशंका है। ऐसे में लोगों से सतर्क रहने की अपील की गई है।

मध्यप्रदेश में प्री मानसून एक्टिविटी कमजोर होने के कारण एक बार फिर से गर्मी ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। प्रदेश के हर एक जिले में अधिकतम तापमान 40 डिग्री से ऊपर दर्ज किया जा रहा है। वहीं मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक फिलहाल कुछ दिन प्रदेशवासियों को गर्मी से राहत नहीं मिलेगी। अगले 24 घंटों में ग्वालियर, चंबल संभाग के जिलों समेत राजगढ़, दमोह, छतरपुर, टीकमगढ़, रीवा और सतना में लू चलने की संभावना है जिसके लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है।

आईएमडी ने कहा है कि असम, मेघालय, पश्चिम बंगाल के हिमालयी इलाकों, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम के अधिकांश हिस्सों में अगले पांच दिनों तक तेज बारिश हो सकती है। इसके साथ ही दक्षिण पश्चिम मानसून अपनी शुरूआत की सामान्य तारीख से कम से कम चार दिन पहले पश्चिम बंगाल में पहुंच गया है। यह राज्य के हिमालयी इलाकों के कुछ हिस्सों

पर मौजूद है। इसके कारण नॉर्थ ईस्ट के इलाकों में बारिश होगी। मौसम विभाग ने कहा है कि अगले पांच दिनों तक कर्नाटक, केरल, माहे और लक्षद्वीप के तमाम इलाकों में तेज बारिश हो सकती है। इसके साथ ही आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, पुडुचेरी, कराईकल और तमिलनाडु के अधिकांश हिस्सों के लिए मध्यम बारिश को अलर्ट जारी किया गया है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गुजरात एटीएस ने 50 किलो हेरोइन बरामद की, बाजार में कीमत 250 करोड़

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

भुज,गुजरात के कच्छ जिले में जखाऊ के निकट अरब सागर के खाड़ी क्षेत्र में 50 किलो

हेरोइन बरामद की हैं। जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 250 करोड़ रुपए है। इस बारे में गुजरात आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) के डिप्टी एसपी भावेश पी रोजिया का बयान सामने आया है। जिसमें उन्होंने बताया कि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और कोस्ट गार्ड के संयुक्त अभियान में हेरोइन बरामद हुई।

गुजरात एटीएस के डिप्टी एसपी रोजिया ने बताया कि हमें 30 मई को सूचना मिली कि पाकिस्तान से एक नांव 50 किलो हेरोइन गुजरात ला रही है। गुजरात एटीएस की टीम ने गुजरात कोस्ट गार्ड के साथ कार्रवाई कर नांव को पकड़ा। तलाशी करने पर हमें कुछ नहीं मिला। इसके बाद नांव को ज़ब्त कर सवार लोगों को पकड़ा।

उन्होंने बताया कि उन्होंने थैला पानी में फैंक दिया था। हमने कोस्ट गार्ड, मरीन पुलिस और अन्य को सतर्क कर एटीएस को बताने के लिए कहा। कल मरीन पुलिस और बीएसएफ को यह बैग मिला। इसमें करीब 50 किलो हेरोइन है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में कीमत 250 करोड़ रुपए है।

प्रधानमंत्री आवासों में पान की पिचकारी देख भड़के हर्ष संघवी, महिलाओं से लाठी लेकर बैठें

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत,शहर के सरथाणा क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकानों को निरीक्षण करने पहुंचे गृह राज्यमंत्री उस वक्त भड़क गए जब दीवारों पर पान-मसाले की पिचकारी देखी। इस संदर्भ में वहां रहनेवाली महिलाओं की शिकायों के बाद हर्ष संघवी ने महिलाओं से कहा कि वह लाठी लेकर बैठे, ताकि कोई भी शख्स पिचकारी मारने की जुर्रत न करे। गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी अपने होम टाउन आते रहते हैं और अपने निर्वाचन क्षेत्र या शहर के अन्य इलाकों का औचक दौरा भी करते हैं। वहां के लोगों से कोई शिकायत मिलती है तो उसे गंभीरता से लेकर उसका निपटारा करवाते हैं। आज सुबह हर्ष संघवी सूरत के सरथाणा क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बने सुमन आवास का निरीक्षण करने पहुंचे और वहां के लोगों से बातचीत की। उस दौरान कई महिलाएं हर्ष संघवी से मिली और बताया कि आवास में स्थानीय लोग ही जहां-तहां पान-मसाला खाकर पिचकारी मारकर दीवारें गंदी करते हैं। महिलाओं की शिकायत को हर्ष संघवी ने गंभीरता से लिया और उन्हें ऐसे लोगों के खिलाफ एकजुट होने की अपील की। संघवी ने कहा कि महिलाएं हाथ में लाठी लेकर बैठे और जो कोई भी शख्स पिचकारी मारता है, उसके खिलाफ आवाज बुलंद करें।

दीव के समुद्र में नहाने पर लगा प्रतिबंध, उल्लंघन करने पर होगी कानूनी कार्रवाई

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गिर सोमनाथ,दीव के समुद्र में अगले तीन महीने तक नहाने पर प्रशासन ने प्रतिबंध लगा दिया है। वर्षा ऋतु के दौरान दीव के समुद्र में किसी प्रकार की अप्रिय घटना को रोकने के उद्देश्य से प्रशासन ने यह फैसला किया है। गुजरात से सटे पर्यटन स्थल दीव के नागवा बीच, जलनधर बीच और घोघला बीच पर बड़ी संख्या सैलानी आते हैं और समुद्र में नहाने का मजा उठाते हैं। बारिश के दौरान समुद्र में तूफानी हो जाता है और ऊंची ऊंची लहरें उठती हैं, जिसकी वजह से समुद्र में नहाने पर रोक लगा दी जाती। आमतौर पर दीव के बीच पर 15 जून से समुद्र में नहाने पर रोक लगाई जाती है, लेकिन इस वर्ष मॉनसून के जल्द आगमन की संभावना को देखते हुए 1 जून से प्रतिबंध लगा दिया गया है। गर्मी से छुटकारा पाने के लिए सैलानी समुद्र में गोते लगाते हैं, लेकिन प्रशासन के प्रतिबंध से उस पर रोक लग गई है। दीव में आगामी 31 अगस्त 2022 तक समुद्र में नहाने पर प्रतिबंध रहेगा। फिलहाल बीच पर बड़ी संख्या में पुलिस जवानों को तैनात कर दिया गया है, ताकि कोई भी सैलानी समुद्र की ओर जा ना पाए। प्रशासन के इस फैसले से दीव आनेवाले सैलानियों में काफी नाराजगी है। सैलानियों का कहना है कि वह समुद्र में नहाने की मजा लेने ही दीव आते हैं परंतु प्रशासन ने इस पर प्रतिबंध लगा दिया है। प्रशासन के इस फैसले के चलते दीव बीच सूनसान नजर आ रहे हैं।

यह विभाग के द्वारा किया गया डिमोलिशन हैं या सेटिंग.com

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

SUDA की महेरबानी या लापरवाही से इस कार्यपर नजरअंदाज करते हुए अधिकारीगण अपने पद का दुरुपयोग कर सरकारी तंत्र का दुरुपयोग कर विभाग के कोष को हानि पहुचने संबंधित कार्यवाही भारतीय दंड सहित के अनुसार विभाग के उच्च अधिकारीगण को करना चाहिए. जिससे भष्टाचार की इस दलदल में कार्यालय में कुछ लगाम लगा सके.

कॉलेज के छात्र ने होस्टेल में कीटनाशक दवाई खाकर आत्महत्या की

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

राजकोट, शहर के कालावड रोड स्थित स्वामीनारायण मंदिर के होस्टेल में रहनेवाले कॉलेज के छात्र ने कीटनाशक दवाई खाकर स्युसाइड कर लिया। कॉलेज छात्र पढ़ाई के साथ साथ स्वामीनारायण संस्था में सेवा भी करता था। जानकारी के मुताबिक बोटाद का मूल निवासी 18 वर्षीय तुषार हरिकृष्णभाई कालकिया राजकोट के मारवाडी कॉलेज का छात्र था। तुषार कालकिया राजकोट के कालावड रोड स्थित स्वामीनारायण मंदिर के होस्टेल में रहता था।

पढ़ाई के साथ साथ स्वामीनारायण संस्था में सेवा करने वाले तुषार ने गत 2 जून की रात गेहूं में डालनेवाली कीटनाशक दवाई खा ली। तबियत बिगड़ने पर तुषार को प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां हालत में सुधार न होता देख दूसरे अस्पताल में ले जाया गया। जहां तुषार ने आज दम तोड़ दिया। तुषार ने किन कारणों से आत्महत्या की,